राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 06 सितंबर 2025 वर्ष-8, अंक-198 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी

● आरएसएस चीफ मोहन भागवत के सुझाव का किया समर्थन ● कहा-दोनों समुदाय के लोगों को बैठकर समाधान करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि मथुरा और काशी हिंदू समुदाय को सौंप देने चाहिए। मदनी ने भागवत के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आपसी मतभेद मिटाकर सहभागिता के लिए मुस्लिम समुदाय को साथ आना चाहिए। एक साक्षात्कार में इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही सहभागिता के पक्ष को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि दोनों समुदायों के बीच मतभेद हैं जिन्हें कम करने का प्रयास किया जाना चाहिए। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए मदनी ने कहा, 'दोनों समुदायों के बीच बहुत सारे मतभेद हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि दोनों समुदायों के बीच बातचीत होनी चाहिए। मतभेद है लेकिन हमें उन्हें कम करने की जरूरत है। हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मथुरा और काशी को लेकर बयान दिया। मुस्लिम समुदायों तक पहुंचे उनके प्रयासों की प्रशंसा की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करते हैं।' दरअसल कुछ दिन पहले आरएसएस की एक बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर ही एक मात्र ऐसा आंदोलन था जिसमें संघ ने आधिकारिक तौर पर समर्थन किया, हालांकि हमारे कार्यकर्ताओं को काशी और मथुरा के आंदोलनों में जुड़ने और उसकी वकालत करने की पूरी अनुमति है। इसके साथ ही भागवत ने भारत के मुस्लिमों से स्थाई समाधान पर जोर दिया। मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और संवाद के स्तर में आई गिरावट की भी आलोचना की। मदनी ने जोर देकर कहा कि सभी राजनीतिक दल को इसका ध्यान होना चाहिए।

अजित पवार ने फोन पर महिला आईपीएस को धमकाया

● वीडियो वायरल होने के बाद पार्टी की हुई फजीहत, मानी गलती ● अठावले बोले-डिप्टी सीएम को पता नहीं था कि वो अधिकारी हैं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार का महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से बहस का वीडियो सामने आया है। इसमें वे महिला अधिकारी को फटकारते नजर आ रहे हैं। घटना 31 अगस्त को सोलापुर जिले के कुर्दु गांव की बताई जा रही है, जहां आईपीएस मुरम का अवैध खनन रोकने पहुंची थीं। वीडियो में नजर आ रहा है कि सिविल ड्रेस में अंजना कृष्णा हाथ में मोबाइल लिए खड़ी हुई हैं। उनके आस-पास कुछ लोग हैं। आईपीएस की कॉल पर अजित पवार से बात चल रही है। दावा है कि अजित पवार आईपीएस को कार्रवाई रोकने का कह रहे हैं।

हालांकि वीडियो सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- मुझे लगता है कि अजित पवार एक बहुत मजबूत नेता और एक अच्छे प्रशासक हैं। उन्होंने बाद में बताया कि क्या हुआ। उन्होंने गलती से ऐसा किया क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह एक अधिकारी थीं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने जो किया वह सही नहीं था। बाद में अजित पवार बोले- मैं पुलिस और अधिकारियों का सम्मान करता हूं।

शिल्पा और राज कुन्द्रा की बढ़ गई मुश्किलें

● लुकआउट नोटिस जारी, मुंबई पुलिस का बड़ा ऐक्शन

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुन्द्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस मुंबई पुलिस ने जारी किया है। मुंबई पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में की गई है। नोटिस अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ है। मामले में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। अभिनेत्री और मॉडल शिल्पा शेट्टी नवंबर, 2009 में राज कुंद्रा के साथ विवाह बंधन में बंधी थीं। शिल्पा और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन एक केस दर्ज किया गया था।

दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस, हमें तैयार रहना होगा

● सीडीएस बोले-देश के लिए विचारधारा जरूरी, जैसे शरीर में खून

अनिल चौहान बोले-पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद बड़ी चुनौती

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा- भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। जनरल चौहान ने कहा- दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस है। सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद से सीमा विवाद को लेकर कई लड़ाइयां हुईं। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। फिर क्षेत्रीय अस्थिरता। शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे।

देश की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता भी जरूरी

देश में चार तरह के खतरे होते हैं। आतंरिक खतरे। बाहरी खतरे। बाहरी सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे और आंतरिक सहयोग से उत्पन्न आतंरिक खतरे। मेरा मानना है कि किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा तीन स्तर पर देख सकते हैं। तीन घेरे के रूप में। सबसे छोटा घेरा सैनिक तत्परता, उससे बड़ा घेरा राष्ट्रीय सुरक्षा और सबसे बड़ा घेरा राष्ट्र सुरक्षा है। ये तीनों घेरे एक साथ मिलकर काम करते हैं। सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। इसे रक्षा अनुसंधान (रिसर्च) से भी जोड़ना चाहिए। भविष्य में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी की जरूरत पड़ सकती है। जर्मन विद्वान ने कहा था कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है। इसके गहरे निष्कर्ष हैं। युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जब किसी भी देश की सरकार इस स्थिति में पहुंचती है कि सैन्य इस्तेमाल की जरूरत है तो सैन्य अधिकारी को आगे के लिए रणनीति बुलाया जाता है। बालाकोट ऑपरेशन के बाद भारत ने लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और पाकिस्तान ने एयर डिफेंस की जरूरत पर काम किया। उरी अटैक के बाद जमीनी मार्ग का सहारा लिया। पुलवामा हुआ तो एयर स्ट्राइक की। पहलगाम हुआ तो लोअर एयरस्पेस का सहारा लिया।

योगी बोले-

● **धरती के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी-** सीएम योगी ने कहा- चाणक्य ने कहा था कि जहां आंतरिक सुरक्षा नहीं होती, वह अराजक राष्ट्र होता है। जल्द ही खत्म हो जाता है। पाकिस्तान उसका उदाहरण है। भारत इस मामले में सतर्क है। यहां बचपन से सीख दी जाती है कि भारत हमारी माता है, इसलिए इस धरती के साथ छेड़छाड़ कोई बर्दाश्त नहीं कर सकता। किसी ने छेड़छाड़ की, तो हर भारतवासी उसके खिलाफ खड़ा होगा। भगवान राम ने प्रण लिया था कि राक्षसों को समाप्त कर दूंगा। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था कि सुरक्षा के लिए जो खतरा बना है, उसे खत्म करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित बन सकता है।

● **नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां-** इस समय रोबोटिक्स का ट्रेंड नजर आता है। इसका इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। भविष्य में यह तकनीक उपयोग में आ सकती है। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे ही आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चलेगा। ये नए नॉर्म है।

117 साल बाद 'दरिया-ए-नूर' तिजोरी खोलेगा बांग्लादेश

कोहिनूर की बहन के नाम से मशहूर, भारत के गोलकुंडा खदान से निकला था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। इस तिजोरी को 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इस तिजोरी में दुनिया की सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे

देखा नहीं गया है। दरिया-ए-नूर को कोहिनूर की बहन कहा जाता है। कोहिनूर अभी ब्रिटेन में मौजूद है। दोनों हीरे भारत से ले जाए गए थे। वर्तमान में दरिया-ए-नूर की कीमत लगभग 13 मिलियन डॉलर (लगभग 114.5 करोड़ रुपए) आंकी गई है। दरिया-ए-नूर, जिसका मतलब है खूबसूरती की नदी। यह एक 26 कैरेट का हीरा है, जो अपने आयताकार, सपाट सतह (टेबल-कट) के लिए जाना जाता है। बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, यह हीरा दक्षिण भारत के खदानों से निकला था, जहां से विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। यह हीरा एक सुनहरे कंगन (आर्मलेट) के केंद्र में जड़ा हुआ है, जिसके चारों ओर दस छोटे-छोटे हीरे हैं।

सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा-कन्नड़ आती है

● मुर्मू बोलीं-हर भाषा-परंपरा से प्यार, कन्नड़ भी सीखूंगी ● बीजेपी का सख्त सवाल-सोनिया से पूछने की हिम्मत है

मैसूरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वे पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा- क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं।

सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा- मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं है, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। पूर्व मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि सिद्धारमैया में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या सोनिया गांधी से यही सवाल पूछने की हिम्मत नहीं है। इस घटना पर पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि सिद्धारमैया की टिप्पणी अहंकार, अपमानजनक और राजनीतिक दिखावे से भरी है। इसने राज्य की आतिथ्य परंपरा का उल्लंघन किया है। विजयेंद्र ने आगे लिखा, कन्नड़ हमारा गौरव है, लेकिन एक भाषा को एकजुट करना चाहिए।

अब 'वन नेशन वन डेटा पोर्टल' बना रही सरकार

● बदलेगा कॉलेजों की रैंकिंग का फॉर्मूला, बस नाम से नहीं चलेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत दी जाने वाली 'इंडिया रैंकिंग्स' को अब दस वर्ष पूरे हो गए हैं। 10 वर्षों में टॉप रैंकिंग में देश की आईआईटी व बड़े संस्थानों का ही कब्जा रहा है। अब आने वाले समय में नई रैंकिंग अप्रोच को अपनाया जाएगा और नए कल्चर के साथ

इंडिया रैंकिंग होगी। केवल धारणा के आधार पर ही रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि ज्यादा से ज्यादा डेटा का विश्लेषण किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि डेटा संचालित अप्रोच को फॉलो करना होगा और हर संस्थान के डेटा का बारीकी से विश्लेषण करना होगा। साथ ही नए अप्रोच में स्टार्टअप्स, एंटरप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री के साथ जुड़ाव समेत कई नए पहलुओं को शामिल किया जाएगा। रैंकिंग फ्रेमवर्क में कई बदलाव होंगे।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर 5-6 नक्सली मारे जाने की खबर

अबूझमाड़ के जंगलों में रुक-रुककर हो रही फायरिंग, नक्सलियों को घेरा

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 5 से 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पूर्वी बस्तर डिवीजन में अबूझमाड़ के घने जंगलों में रुक-रुककर फायरिंग चल रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों की ओर से दंतेवाड़ा और नारायणपुर की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड टीम संयुक्त अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अटैक कर दिया। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने की है। इसके पहले 28 अगस्त को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मार गिराया था। मौके से बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए गए थे।

नारायणपुर जिले और गढ़चिरौली बॉर्डर इलाके में तलाशी के दौरान सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मामला गढ़चिरौली के कोपरशी गांव का है।

बी से बीड़ी, बी से बिहार पर गरमाई राजनीति

पटना (एजेंसी)। केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बी से बीड़ी और बी से बिहार लिखे जाने पर राजनीति गरमा गई है। चुनावी मौसम में बीजेपी ने इस मुद्दे को लपक लिया है तो सहयोगी तेजस्वी यादव से जब सवाल पूछा गया तो वह अनजान बने दिखे। केरल कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में बिहार की तुलना बीड़ी से किए जाने पर बिहार बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस ने अपनी मानसिकता से को बिहार को बदनाम है।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा सख्त कर दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का जीएसटी सुधार 2025 - टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा।यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स ः दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र ऱ्जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से क़रीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति?दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) 'भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले'-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0त्न स्लैब में।(2)'स्वास्थ्य का ध्यान रखो'- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)'घर बनाओ'' -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)'बच्चों की पढ़ाई जरूरी है'-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)'फालतू दिखावा मत करो'-इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दर्शाता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है।इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का जीएसटी सुधार 2025 सिर्फ एक वित्तीय पहल नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है। यह सुधार भारत को न केवल घरेलू स्तर पर महंगाई से राहत दिलाएगा बल्कि वैश्विक मंच पर उसे और मजबूती से खड़ा करेगा।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

राहतकारी जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं।

हर देश को अपनी रक्षा का अधिकार है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है

(लेखक-संजय गोस्वामी)

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में, श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा, आश्चर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही, यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं, जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज, सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावाड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन ग़लेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ़ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी लड़ रहें थे तो उनका जज्बा देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है।रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मर्यादा भी भारत माता के लिए है रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत 140 करोड़ देश वासियो का देश हैं जो आप महाकुम्भ मेला में उसकी ताकत देख चुके होंगे अतः हम देश के स्वाभिमान के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं जो हमें गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है कि सत कर्मन से कभी ना डरो इसलिए आज पूजे जाते हैं हर हिंदुस्तानी के दिल में बसते है क्योंकि कभी देश की शान को झुकने नहीं दिया और सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अंत अंत तक देश में मानवता की रक्षा की.भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा हेतु खालसा पंथ भी बनाया ना तो कभी हारें और हाराना सिखया ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर शिक्षक दिवस पर देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी हमारी संस्कृती बचेगी और हमारा वजूद रहेगा. भारत माता की रक्षा करना ही शिक्षा का मूल मन्त्र हो देश की सेवा के लिए शिक्षा जरुरी है इसलिए देश के वीर सैनिकों को नमन करता हूँ आज यूक्रेन पर भले ही चीन में सब उसका मज़ाक उड़ा ले लेकिन कभी इतिहास में ऐ भी दर्ज होगा जेलेस्की की बहादुरी और देश प्रेम की भावना जिससे ऐ तो मालूम होगा अपने देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता की रक्षा हेतु जो किया वो सही था या गलत अतः देश ही सबकुछ है उसकी मिट्टी में ही जन्मे और मरे भी उसकी मिट्टी में और फिर जन्म भी अपनी मात्रभूमि में लिए.।

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

विचार मंथन

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 卐विक्रम卐 नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। 'विक्रम' माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है।

छोटे चाय उत्पादकों ने हरी चाय पत्तियों के लिए एमएसपी की मांग की

कोलकाता । देश के करीब 2.5 लाख छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) ने सरकार से हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की है। छोटे उत्पादकों का कहना है कि वे देश की कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, लेकिन बाजार में कीमतों में गिरावट और अस्थिरता के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है। भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि एसटीजी ने 35 रुपये प्रति किलोग्राम के एमएसपी की मांग की है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को कृषि किसानों के समान दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि वे केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात में मंत्रालय ने इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर अध्ययन कराने की बात कही है। मंत्रालय एमएसपी के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण समिति भी गठित करेगा।

सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली । सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने एम्मार इंडिया लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ परियोजना के क्षेत्र में प्रभुत्व के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला एक मुखबिर की शिकायत पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एम्मार ने 97 खाली भूखंडों पर बिल्डर फ्लोर और गैर-विला आवासीय इकाइयों का निर्माण कर 'सिग्नेचर विला कम्युनिटी' की पहचान को नुकसान पहुंचाया। सीसीआई ने मामले की जांच के दौरान पाया कि गुरुग्राम में विला विकास एवं बिक्री के क्षेत्र में एम्मार इंडिया की प्रभुत्वशाली स्थिति नहीं है। बाजार में कई बड़े डेवलपर्स जैसे डीएलएफ, गोदरेज, टाटा हाउसिंग, सिग्नेचर ग्लोबल और वाटिका ग्रुप सक्रिय हैं, जो उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, एम्मार द्वारा प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप प्रथम दृष्टया निराधार पाए गए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों का कोई मामला नहीं बनता है, इस आधार पर सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। नियामक ने कहा कि संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई प्रतिस्पर्धा-विरोधी कृत्य सिद्ध नहीं हुआ है। यह फैसला प्रतिस्पर्धा के संरक्षण और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जीएसटी परिषद ने ईवी पर 5 फीसदी रियायती दर बरकरार रखी

- टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियों ने जताई राहत

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर 5 प्रतिशत की रियायती जीएसटी दर को बरकरार रखने का फैसला किया है। इससे ईवी निर्माता कंपनियों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि 20 लाख से 40 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों पर जीएसटी बढ़ाकर 18 प्रतिशत और 40 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर 28 प्रतिशत करने पर विचार हो सकता है। यह खबर इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से बढ़ रहे उद्योग में चिंता का कारण बनी थी। टाटा मोटर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस फैसले को भारत की पर्यावरण-अनुकूल और शून्य उत्सर्जन वाली मोबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा है। उन्होंने इसे दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता का संकेत भी बताया। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 5 प्रतिशत जीएसटी दर जारी रखने से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति तेज होगी और भारत का स्वच्छ मोबिलिटी क्षेत्र मजबूत होगा। हालांकि, ईवी निर्माता अब पेट्रोल और डीजल की छोटी कारों से मुकाबला करेंगे, जिन पर 18 प्रतिशत की कम कर दर लागू है। इससे बाजार प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। वोल्वो और मर्सिडीज-बेंज जैसी लग्जरी कार कंपनियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। इन कंपनियों ने इसे कार्बन मुक्त भविष्य की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता बताया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टेक दिग्गजों के साथ की मुलाकात

- ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की

वॉशिंगटन।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, एप्पल के टिम कुक सहित प्रमुख टेक्नोलॉजी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रंप ने इस अवसर पर इन तकनीकी नेताओं को 'उच्च आईक्यू वाला समूह' बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि ये लोग व्यवसाय और नवाचार में क्रांति ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समूह दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। ये लोग हर उस क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं, जिसकी हम कल्पना भी कर सकते हैं।

बैठक में ट्रंप ने इन दिग्गजों से उनके विचार साझा करने को कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का युग हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा परिवर्तनकारी दौर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा।' पिचाई ने ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए सहयोग की इच्छा जताई।

सत्य नडेला ने कहा कि उद्योग को विशिष्ट बनाना केवल नवाचार से नहीं होता, बल्कि वैश्विक बाजार तक पहुंच से होता है। उन्होंने ट्रंप की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने अमेरिकी तकनीक पर विश्व का भरोसा बढ़ाया। बिल गेट्स ने कहा कि वे अपने करियर के दूसरे चरण में हैं और सत्य नडेला के अच्छे काम से मिलने वाली धनराशि दान कर रहे हैं, जिस पर ट्रंप ने हंसी के साथ प्रतिक्रिया दी।

दुग्ध उत्पादों की जीएसटी दरों में कटौती से दूरगामी लाभ होंगे- मिल्की मिस्ट

- दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी घटाने से मिलेगा उपभोक्ता और किसान को लाभ

चेन्नई । मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि पनीर, मक्खन, घी जैसे दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के लिए लाभकारी होगा। रत्नम ने बताया कि इस कदम से पौष्टिक और मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे उनकी मांग बढ़ेगी। इससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और संगठित डेयरी क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने इसे केवल कर सुधार नहीं बल्कि समावेशी विकास का उत्प्रेरक बताया। रत्नम के अनुसार, यह निर्णय औपचारिक डेयरी कारोबार को बढ़ावा देगा और किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

जीएसटी सरलीकरण से महंगाई में राहत, राजस्व पर सीमित असर- एसबीआई रिपोर्ट

जीएसटी दरों में बदलाव से 3,700 करोड़ रुपए की संभावित राजस्व हानि

कोलकाता ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नवीनतम शोध रिपोर्ट के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के सरलीकरण से सरकार को न्यूनतम 3,700 करोड़ रुपए की राजस्व हानि हो सकती है। हालांकि सरकार का अनुमान है कि इस बदलाव का शुद्ध वार्षिक राजकोषीय प्रभाव 48,000 करोड़ रुपए तक होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती खपत और आर्थिक विकास से इस घाटे की भरपाई संभव है और इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हाल ही में हुई जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मौजूदा चार-स्तरीय दर संरचना (5, 12, 18, 28 फीसदी) दो-स्तरीय प्रणाली में बदला गया है। नई प्रणाली में 18 और 5 फीसदी की मानक दरें रखी गई हैं, जबकि कुछ विशेष वस्तुओं और सेवाओं पर 40 फीसदी की अवगुण दर लागू होगी। एसबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरों के युक्तिकरण से बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में लागत दक्षता बढ़ेगी और कर अनुपालन में सुधार होगा। प्रभावी औसत जीएसटी दर 2017 के 14.4 फीसदी से घटकर अब 9.5 फीसदी रह गई है। इसके अलावा, आवश्यक वस्तुओं की जीएसटी दर घटाने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 2025-26 में 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। अनुमान है कि 2026-27 तक महंगाई दर 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी के भीतर नियंत्रित रहेगी। कुल मिलाकर, यह सुधार न केवल कर व्यवस्था को सरल बनाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा।

शेयर बाजार सपाट कारोबार के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 7.25 अंक गिरा, निफ्टी 6.70 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को मिश्रित कारोबार हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटी और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 80,710.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.70 अंक की बढ़त के साथ ही 24,741.00 पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों के कारण बाजार ऊपर आया। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.25 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.17 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.14 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.59 फीसदी के साथ बंद हुए। वहीं आईटी और एफएमसीजी शेयर नीचे आये। निफ्टी आईटी इंडेक्स -1.44 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी (-1.42 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (-1.16 फीसदी) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (-0.35 फीसदी) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के विपरीत ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 116.05 अंक या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 57,075.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.30 अंक करीब 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 17,655.25 पर था।सेंसेक्स में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, एचटीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, एलएंडटी और टाइटन के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह जीएसटी स्लैब में संभावित कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। सेंसेक्स 300 अंकों की उछाल के साथ 81,012.42 पर खुला। उधर निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,818.85 पर खुला। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर अब विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों और सिन गुड्स कंपनियों पर है, क्योंकि सरकार ने इन पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की घोषणा की है। यह टैक्स कंपनजेशन सेस खत्म होने के बाद भी जारी रहेगा। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को जोरदार तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.39 फीसदी चढ़ा, जबकि साउथ कोरिया का कॉस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 क्रमशः 0.26 फीसदी और 0.58 फीसदी ऊपर बंद हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जापानी ऑटो शुल्क में कटौती और चिप उत्पादकों पर सख्ती के फैसले ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.80 फीसदी, नेस्डेक में 1 फीसदी और डाउ जोंस में 0.90 फीसदी की तेजी दर्ज हुई।

अदाणी पावर को 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

- विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी

नई दिल्ली ।

अदाणी पावर को एक अगस्त 2025 को जारी डाक मतपत्र नोटिस के जरिये 1ः5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक अगस्त की डाक मतपत्र नोटिस में उल्लिखित आवश्यक बहुमत के साथ प्रस्ताव को विधिवत पारित माना गया है। 10 रुपये मूल्य के प्रत्येक शेयर को दो रुपये अंकित मूल्य वाले पांच पूर्ण चुकता शेयर में विभाजित किया जाएगा, जो सभी दृष्टियों से समान होंगे। मतदान छह अगस्त सुबह नौ बजे से चार सितंबर को शाम पांच बजे तक चला। अदाणी पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने एक अगस्त 2025 को अपनी बैठक में खुदरा एवं छोटे निवेशकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शेयर विभाजन को मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि शेयर के उप-विभाजन/विभाजन के कारण कंपनी की अधिकृत, जारी, अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर के उप-विभाजन की रिकॉर्ड तिथि, निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तय की जाएगी। इस विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी।

अदाणी पावर की स्थापना 1996 में हुई थी और 2009 में इसे शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया गया। इसके व्यवसाय एवं प्रदर्शन में पिछले कुछ वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

तेल व गैस ईएंडपी सेवाओं पर बढ़ा जीएसटी

- कंपनियों की लागत और मुनाफे पर दोहरी मार

नई दिल्ली ।

भारत में तेल और गैस के खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र में उपयोग होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर कर दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस निर्णय से कंपनियों की उत्पादन लागत में इजाफा होना तय है, जबकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। इसका मतलब है कि इन उत्पादों की बिक्री पर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का पूरा लाभ नहीं उठा सकेंगी, जिससे फंसे हुए कर का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। अप्रैल 2025 से ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 66 डॉलर/बैरेल पर आ गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 फीसदी कम है। ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों की प्राप्ति में 20 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे उनकी आय और मार्जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने चेताया कि कर वृद्धि और कम ऊर्जा कीमतों के चलते कुछ परियोजनाएं आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं रह जाएंगी। हालांकि सरकार द्वारा ओएएलपी-एक्स जैसे नए सुधार लाए गए हैं, लेकिन जीएसटी दरों में वृद्धि ने इन प्रयासों की गति को धीमा करने का खतरा पैदा कर दिया है।

महिंद्रा ने एसयूवी बीई 6 को नए रूप में किया गया पेश

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा के इलेक्ट्रिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई एसयूवी बीई 6 को एक नए रूप में पेश किया गया है। हाल ही में महिंद्रा ने इसका बैटमैन एडिशन लॉन्च किया, जो दुनिया की पहली कमर्शियली उपलब्ध बैटमैन से प्रेरित एसयूवी है।

इसकी एक्स-शोरूम कीमत 27.79 लाख रुपये रखी गई है। खास बात यह है कि लॉन्चिंग के तुरंत बाद ही इस लिमिटेड एडिशन की बुकिंग पूरी हो गई। कंपनी ने शुरुआती चरण में केवल 300 यूनिट्स की बुकिंग खोली थी, लेकिन भारी डिमांड को देखते हुए इसे बढ़ाकर 999 यूनिट्स कर दिया गया। इसके बावजूद सभी यूनिट्स सिर्फ 135 सेकंड में बुक हो गईं। महिंद्रा ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में अपनी अन्य एसयूवी के लिए भी इस तरह के खास एडिशन लॉन्च किए जा सकते हैं। 20 सितंबर से इसकी डिलीवरी शुरू होगी, जबकि उससे पहले ही बीई 6 बैटमैन एडिशन को मुंबई की सड़कों पर देखा गया है। हावोक ब्लॉग्स के वीडियो में यह एसयूवी चलते हुए नजर आई है। रात के अंधेरे में इसका मैट-ब्लैक बॉडीवर्क और शार्प लाइटिंग एलिमेंट्स इसे बैटमोबाइल जैसी पहचान देते हैं। बड़े 20-इंच के अलॉय व्हील्स और सुनहरे रंग के सस्पेंशन व ब्रेक कैलिपर्स इसकी दमदार उपस्थिति को और खास बनाते हैं।

डार्क नाइट ट्रिलॉजी से प्रेरित इस एडिशन में हब कैप, फ्रंट क्वार्टर पैनल, रियर बंपर, विंडो और रियर विंडशील्ड पर बैट का प्रतीक चिन्ह दिया गया है। इसके अलावा इन्फिनिटी रूफ और कार्पेट लैंप पर भी बैट का साइन उकेरा गया है। इंटीरियर की बात करें तो एसयूवी में चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, स्यूडे लेदर

अपहोल्स्ट्री और गोल्ड सेपिया स्टिचिंग दी गई है। गोल्ड एक्सेंट्स स्टीयरिंग व्हील, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और अन्य डिटेलिंग को और आकर्षक बनाते हैं। सीट्स, बूस्ट बटन और इंटीरियर पार्ट्स पर भी बैट का प्रतीक चिन्ह उभरा हुआ है।

जीएसटी 2.0 झटका या जैकपॉट? एसबीआई रिपोर्ट ने बताईं जरूरी बातें

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में टैक्स ढांचे को सरल बनाते हुए अब केवल दो मुख्य स्लैब लागू किए गए हैं 18 फीसदी (स्टैंडर्ड रेट) और 5 फीसदी (मेरिट रेट)।

इसके अलावा कुछ विशेष वस्तुओं पर 40 फीसदी डिमेरिट रेट भी रहेगा। इससे पहले की तुलना में टैक्स प्रणाली आसान और पारदर्शी होगी, जिससे मिडिल क्लास को सीधा फायदा होगा। कुल 453 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें बदली गई हैं, जिनमें 413 पर टैक्स घटाया गया है और केवल 40 पर बढ़ाया गया है।

खासतौर पर 295 जरूरी सामानों की टैक्स दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दी गई है। इससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में करीब 25-30 आधार अंक की कमी होगी और महंगाई में कुल 65-75 आधार अंक तक कमी आने की उम्मीद है। यह बदलाव आम आदमी की जेब पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। टैक्स दरों में बदलाव से सरकार के राजस्व में 48,000 करोड़ रुपए की कमी आ सकती है, लेकिन बढ़ी हुई खरीदारी और टैक्सदाता संख्या के कारण वास्तविक घाटा केवल 3,700 करोड़ रुपए तक सीमित रहेगा। इससे फिस्कल डिफिसिट पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी खत्म होने से बीमा सस्ता होगा और इसकी पहुंच बढ़ेगी। साथ ही छोटे और मझोले उद्योगों को सप्लाई-चेन के जरिए ज्यादा काम मिलेगा, जिससे उत्पादन और रोजगार बढ़ेगा।

यह सुधार लंबे समय में देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित होगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ ने सॉफ्ट ड्रिंक्स और बेवरेज सेक्टर में किया प्रवेश

पटेल बेवरेजेज के साथ हुआ को-पैकिंग एग्रीमेंट, पोर्टफोलियो का होगा विस्तार

नागपुर/इंदौर ।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (NGIL) ने पटेल बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस को-पैकिंग एग्रीमेंट के तहत, नाकोडा ग्रुप पटेल बेवरेजेज के उत्पादों जैसे सॉफ्ट ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक का निर्माण, आपूर्ति और को-पैकिंग करेगा, जो उनके ब्रांड "NOC-TRL" के तहत बाज़ार में आएंगे।

इस समझौते से नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ को उपभोक्ता उत्पाद खंड में, विशेष रूप से बेवरेज सेक्टर में, प्रवेश करने का अवसर मिला है। इससे कंपनी के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, जिसमें पहले से ही विभिन्न किस्म के मखाने और अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हैं। वहीं, पटेल बेवरेजेज को भी एक नया क्लाइंट मिलने के साथ-साथ अपने टर्नओवर और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी करने का मौका मिलेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड 1989 से खाद्य उत्पादों के निर्माण और व्यापार में एक प्रतिष्ठित नाम रहा है। कंपनी उच्च गुणवत्ता वाले टूटी फ्रूटी (डाइस्ड चेलोरी), ड्राई फ्रूट्स, अनाज और दालों के लिए जानी जाती है। नागपुर में स्थित होने के कारण, कंपनी को उत्कृष्ट लॉजिस्टिक लाभ मिलते हैं, जिससे देशभर में ग्राहकों तक कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित होती है। कंपनी के प्रमुख क्लाइंट्स में ब्रिटानिया, वडीलाल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, हल्दीराम्स, अमूल जैसे बड़े और जाने-माने ब्रांड शामिल हैं।

सोना जल्द जा सकता है 1.4 लाख प्रति 10 ग्राम!

- यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी से बढ़ रहे सोने के भाव

नई दिल्ली ।

सोना हमेशा से महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता में सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। इस बार सोने की कीमतों में तेजी के पीछे सिर्फ महंगाई या घरेलू मांग नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण हैं। यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी के चलते कई देशों के सेंट्रल बैंक अपनी रिज़र्व रणनीति में बदलाव कर भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। तकनीकी चार्ट और विश्लेषण से पता चलता है कि सोने की कीमत 3,500 डॉलर से बढ़कर 4,750 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है, यानी करीब 35 फीसदी की वृद्धि संभव है। भारत में यह मूल्य 1,06,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,40,000-1,45,000 रुपए तक पहुंच सकता है। 2025 की पहली तिमाही में सेंट्रल बैंकों ने पिछले पांच साल की तुलना में 24 फीसदी अधिक सोना खरीदा है। रूस के विदेशी रिज़र्व फ्रीज होने के बाद सोना राजनीतिक और आर्थिक संकट के समय सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साधन बन गया है। इसके कारण विश्वभर के केंद्रीय बैंक हर साल 1,000 टन से अधिक सोना खरीद रहे हैं। भारत में भी सोने में निवेश का रुझान बढ़ा है। गोल्ड ईटीएफ में जून और जुलाई 2025 में 3,256 करोड़ रुपए का निवेश आया।

रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में अभी और तेजी आ सकती है। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे एक साथ बड़ी राशि निवेश करने की बजाय किस्तों में निवेश करें और अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोने में रखें ताकि वित्तीय सुरक्षा बनी रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉकी एशिया कप 2025: फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से भिड़ेगा भारत, करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

राजगीर (एजेंसी)। फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया कप 2025 में शनिवार, 6 सितंबर को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले पांच बार की चैम्पियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

वहीं भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक हैं। दूसरी तरफ कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जायेंगी और भारत के लिये एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरुआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की।

इसके साथ ही मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है। सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाये।

बता दें कि, टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाये। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है। उन्होंने न सिर्फ मौके बनाये बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे।

अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिल रहे मौके को भुनाना होगा और इसके लिये हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3 . 4 से हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। लिहाजा भारतीय टीम को एहतियात बरतनी होगी क्योंकि मामूली सी गलती से अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारत/पाक: नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एशिया को बताया, 'अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे।' उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन की राशि बढ़ायी

-400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम जर्सी के प्रायोजन की राशि बढ़ा दी है। इससे अब जर्सी का प्रायोजन करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई ने द्विपक्षीय सीरीज में जर्सी प्रायोजन के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। ये राशि वर्तमान दरों से अधिक है। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। 'ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद अब बोर्ड ने प्रायोजन की राशि बढ़ायी है। बीसीसीआई को जर्सी प्रायोजन राशि बढ़ाने से 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। ये नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से ही अमल में आयेंगी। अब बोर्ड संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित की थीं हालांकि इसमें कुछ शर्तें भी रखी गयीं थीं। बोर्ड की ओर से बोलियों को लेकर ये शर्त लगायी गयी है कि समूह का ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी आदि से कोई संबंध नहीं होना चाहिये। न ही इसमें संलग्न किसी भी व्यक्ति का कंपनी में किसी भी प्रकार से निवेश होना चाहिये। भारतीय टीम अभी युएई में 9 सितंबर से शुरु होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। इससे पहले केन्द्र सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद टीम के प्रायोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया था।

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को यो-यो टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसे पहली बार विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। यह एक बहु-चरणीय फिटनेस टेस्ट है जो किसी खिलाड़ी की सहनशक्ति और फिटनेस के स्तर को मापता है और BCCI ने गंभीर की निगरानी में इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। विराट कोहली को छोड़कर लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) पहुंचे और अपना फिटनेस टेस्ट दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 19.4 अंकों के साथ अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। लेकिन क्या सच में रोहित ने 19 अंकों का आंकड़ा पार कोहली के यो-यो स्कोर को पीछे छोड़ दिया हैं?

रोहित शर्मा के 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी अफवाहें झूठी हैं, क्योंकि BCCI की सख्त नीतियां हैं और क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी उजागर करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में, यहां तक कि शासी निकाय (BCCI) भी अपने स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो खिलाड़ी को दंडित किया जाता है और उसे बाहर भी किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना कि रोहित ने यो-यो टेस्ट में 19 अंक के आंकड़े को पार कर लिया है, यह गलत होगा क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और अन्य सहित लगभग सभी भारतीय क्रिकेटरों ने या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। जहां सभी भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु में अपने टेस्ट पूरे कर लिए, विराट कोहली ने BCCI से आज्ञा लेकर लंदन में अपने परिवार के साथ टेस्ट दिया और कथित तौर पर इसे पास कर लिया है।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम दुबई पहुंची

दुबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तान में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंच गयी है । कप्तान सूर्यकुमार के साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई पहुंचे थे । इस बार सारे खिलाड़ी अलग-अलग शहरों से होते हुए दुबई पहुंचे । सूर्यकुमार के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, बैटिंग कोच सितांशु कोटक, हार्दिक पंड्या पहले चरण में यहां पहुंचे । वहीं हर्षित राणा, कुलदीप यादव, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा दूसरे चरण में यहां पहुंचे । इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी दुबई एयरपोर्ट पर नजर आये । भारतीय क्रिकेट टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ 10 सितंबर से होने वाले मैच से करेगी और उसके बाद 14 सितंबर को वह दुबई में पाकिस्तान से खेलेगी । भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट के लिए कोई कोई अभ्यास मैच नहीं रखा गया है । भारतीय टीम ने अंतिम बार कोई टी-20 मैच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फरवरी में इंग्लैंड से खेला था । भारतीय कोच गौतम गंभीर का मानना है कि अभ्यास मैचों की जगह इंट्रा-स्क्वाड मैचों को खेलना लाभदायक रहेगा ।

भारतीय टीम इस प्रकार है - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और हर्षित राणा रिजर्व खिलाड़ी - प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल ।

युकी भांबरी की यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हार, फिर भी हुए मालामाल

न्यूयॉर्क । यूएस ओपन के मेन्स डबल्स सेमीफाइनल में भारत के युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड साथी माइकल वीनस को ब्रिटिश जोड़ी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी । कड़े मुकाबले में ब्रिटिश जोड़ी सालिसबरी और स्कुप्स्की ने एख सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6-7, 7-5,6-4 से जीत दर्ज कर ली और फाइनल में जगह बना ली । इस जीत के साथ ही ब्रिटिश जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट ग्रैंड स्लैम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली । पहले सेट में दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, इसके बाद भारत और कीवी जोड़ी ने बढ़त बनाई और आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गई । भांबरी और वीनस ने पहला सेट टाई-ब्रेक जोरदार अंदाज में 7-2 से अपने नाम किया । दूसरे सेट में भी भांबरी-वीनस की जोड़ी की शुरुआत अच्छी रही लेकिन सालिसबरी और स्कुप्स्की ने वापसी कर मैच को एक और टाई ब्रेक तक पहुंचाया और इस बार ब्रिटिश जोड़ी ने जीत हासिल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया । निर्णायक तीसरा सेट ब्रिटिश जोड़ी के नाम रहा जिन्होंने 6-4 से जीत अपने नाम की । भांबरी और वीनस ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया । उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को 6-0, 6-3 से हराकर की थी । दूसरे राउंड में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा जहां उन्होंने गोंजालो एस्कोबार और मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला को 6-1, 7-5 से मात दी ।

भांबरी-माइकल पैसों की बरसात- फिलहाल, युकी भांबरी और माइकल वीनस को यूएस ओपन पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक बेहतरीन सफर के लिए 2,50,000 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली ।

दलीप ट्रॉफी- पंत की जगह टीम इंडिया में चुने गए इस खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली । तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए । साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली । जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं

मिला । जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया । दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए । जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके है । जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे । जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200+ का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245* रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते है ।

महिला हॉकी एशिया कप 2025 : भारतीय महिला हॉकी टीम की बेहतरीन शुरुआत, थाईलैंड को 11-0 से दी पटखनी

हांग्जो (एजेंसी)। चीन के हांग्जो शहर में महिला हॉकी एशिया कप 2025 का आगाज हो गया है। इस दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड को 11-0 से हराकर बेहतरीन जीत के साथ की। गोन्गशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क हॉकी फील्ड में खेले गए इस मैच में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में हराया। भारतीय महिला टीम इस साल एफआइएच प्रो लीग के यूरोप फेज में आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन एशिया कप में उनसे बेहतरीन शुरुआत की।

महिला एशिया कप से पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर और स्टार फारवर्ड दीपिका के चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखाई दे रही थी। लेकिन मुमताज खान, उडिता और ब्यूटी डुंग डुंग के शानदार खेल के कारण भारतीय टीम ने एक आसान जीत अपने नाम की।

भारत ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार गोल दागे। मुमताज खान, इडता, ब्यूटी डुंग डुंग ने दो-दो गोल किए जबकि संगीता कुमार, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और रुतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। भारत ने पहले ही हाफ में 5-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे हाफ में भारत का आक्रमण और तेज हुआ और खेल खत्म होते-होते टीम इंडिया ने 11 गोल कर दिए।

भारतीय टीम पूल बी में है जहां उसके साथ जापान, थाईलैंड और सिंगापुर शामिल हैं। जबकि पूल ए में मेजबान चीन, कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे शामिल हैं। ये टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर तक चलेगा। थाईलैंड के बाद अब भारत का सामना कल यानी 6 सितंबर को जापान के साथ और 8 सितंबर को सिंगापुर से होगा।

महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी श्रेया : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया घोषाल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी । महिला विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे । विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा । इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं । विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा । भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा । श्रेया भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन समारोह में अपना कार्यक्रम पेश करेंगी । घोषाल ने इस टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है । गौरतलब है कि विश्व कप का पहला मुकाबला 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा । इस इवेंट के लिए टिकटों की ब्रिकी भी शुरु हो गयी है । इस साल इस आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए टिकटों की कीमतें काफी कम रखी गयी हैं । भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है । आईसीसी ने कहा कि कम कीमत रखने का कारण स्टेडियम में लोगों की भीड़ खींचना है । महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है और कम कीमत से इसकी ओर रुझान बढ़ेगा ।

मेसी के घरेलू मैदान पर डबल से अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को हराया

ब्यूनस आयर्स । लियोनेल मेसी ने अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर में दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने गुरुवार को वेनेजुएला पर 3-0 से जीत हासिल की । 8 बार के बैलन डी' ओर विजेता मेसी, जो वार्मअप के दौरान भावुक हो गए थे, ने 39वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के काउंटरअटैक क्रॉस पर गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी । स्थानापन्न लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के बाएं बाईलाइन से कट-बैक के बाद डाइविंग हेडर से बढ़त दोगुनी कर दी । मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर 12 गज की दूरी से साइड-फुटिंग गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया । 38 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने 89वें मिनट में रोमो के ऊपर से गेंद को चिप करके अपनी हैट्रिक पक्की कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दे दिया गया। मेसी, जिन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि यह क्वालीफ़ाइंग अभियान लगभग उनका आखिरी अभियान होगा, को अंतिम मिनटों में 80,000 से ज्यादा प्रशंसकों ने उनका नाम लेकर सलाम किया । एस्टाडियो मोनुमेंटल में हुए इस परिणाम के साथ अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में शीर्ष पर 10 अंकों की बढ़त के साथ एक मैच का दिन शेष रहते पहुंच गया है । वेनेज़ुएला, जो अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है, 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है, जिससे उसे प्लेऑफ में जगह मिल जाएगी । अगले मंगलवार को होने वाले क्वालीफ़ायर के अंतिम दौर में, अर्जेंटीना का सामना ग्वायाकिल में इक्वाडोर से होगा, जबकि वेनेज़ुएला माटुरिन में कोलंबिया की मेजबानी करेगा ।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा का बड़ा आरोप, कहा-कप्तान के पसंदीदा खिलाड़ियों को ही मिलता है मौका

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया। पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा। इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एक विशेष साक्षात्कार में मिश्रा ने कहा, 'यह बहुत निराशाजनक था। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, कभी नहीं। बेशक, यह निराशाजनक है, और इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर आपको याद आता है कि आपका सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हैं, और लाखों लोग वहां पहुंचने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हैं। इसलिए, मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की।'

प्रतिभा के बावजूद मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर रहना मानसिक रूप से कठिन था। उन्होंने आगे कहा, 'जब भी मैं निराश होता था, मैं सोचता था कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कड़ी मेहनत से कभी पीछे नहीं हटा।'

मिश्रा ने कहा, 'मैं कहूंगा कि मेरे लिए सबसे निर्णायक क्षण 2008 के IPL में ली गई हैट्रिक थी, जहां मैंने मैच में 5 विकेट भी लिए थे। उसके बाद मैंने भारतीय टीम में वापसी की। उससे पहले, मैं घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, हर सीजन में 35-45 विकेट ले रहा था, लेकिन मैं राष्ट्रीय टीम में वापसी नहीं कर पाया। उस आईपीएल हैट्रिक ने मेरे लिए चीजें बदल दीं। मैंने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली में भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 25 विकेट लिए थे, जिससे मुझे IPL अनुबंध (दिल्ली डेयरडेविल्स) हासिल करने में मदद मिली। उस हैट्रिक के बाद मैं लगातार भारतीय टीम में वापसी करता रहा और टी-20 में मेरा करियर भी शुरू हो गया। इसलिए, 2008 में पाँच विकेट वाली वह हैट्रिक मेरे जीवन का एक निर्णायक क्षण होगी।'

मिश्रा ने विभिन्न कप्तानों द्वारा गेंदबाजों के अपने पसंदीदा चयन के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आपको बस जब भी मौका मिले खुद को साबित करना होता है। जैसा कि मैंने कहा, ये चीजें मायने नहीं रखतीं। कभी-कभी कोई खिलाड़ी जो आपसे बेहतर प्रदर्शन करता है, उसे ज्यादा पसंद किया जाता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन करने लगते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।'

उन्हें आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना हमेशा ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता था। मिश्रा ने कहा, 'जब भी मैंने किसी जाने-माने भारतीय खिलाड़ी का विकेट लिया, मुझे गर्व महसूस हुआ। वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, युवराज सिंह, गौतम गंभीर या विराट कोहली जैसे खिलाड़ी - ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी पल खेल का रुख बदल सकते हैं। आप अपने कौशल से किसी विदेशी खिलाड़ी को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को आप अच्छी तरह जानते हैं। जब आप उनका विकेट लेते हैं, तो आपको एक अलग, बहुत सकारात्मक एहसास होता है। मैं कहूंगा कि सभी भारतीय बल्लेबाज़ों के सामने गेंदबाज़ी करना स्पिनर के लिए मुश्किल होता है।'

सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी यूएस ओपन में खिताबी भिड़ंत

न्यूयॉर्क । शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी । बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया । गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया । पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी । अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया । इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की ।

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी**– अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय**– मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर** – बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में**– पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार**– गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि**– गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक**– सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई**– बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई–गुड़ाई**– गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई**– जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार**–
अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे

हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु** – इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त** – इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**– ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई**– बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद**– ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई** – ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई**– जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

जलवायु– यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी– पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक– बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या
आं

बुवाई एवं बीज की मात्रा– एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई–गुड़ाई– बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज– पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में– इसकी दो प्रचलित किस्में हैं– छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु– इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी– साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि– बीजों से लगाने पर फल भी 1–2 वर्ष बाद आते हैं। अत : ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2–3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि– प्रथम विधि– दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग–अलग करने का समय फरवरी–मार्च व जून–जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि– इस विधि में मादा पौधों से 2–3 माह पुरानी बेल से 30–40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60–80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद–उर्वरक एवं रोपाई– प्रत्येक क्यारी में 30–40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च–अप्रैल में 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4–5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन : 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत : इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3–4 किलो गोबर खाद तथा 20–30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई– ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6–10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में तय समय से ज्यादा समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच को लेकर हाईकोर्ट में लगाई याचिका

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें देशभर के गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच कराने की मांग की गई है। याचिका में विशेष रूप से बाराबंकी स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी का जिक्र किया गया है, जहां कथित तौर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की मान्यता के बिना छात्रों को विधि पाठ्यक्रमों में दाखिला दिए जाने का मामला उठाया गया है। जानकारी अनुसार याचिकाकर्ता सौरभ सिंह की ओर से अधिवक्ताओं सिद्धार्थ शंकर दुबे और अनिमेष उपाध्याय द्वारा दाखिल इस याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि बीसीआई को निर्देशित किया जाए कि वह अपनी वेबसाइट पर सभी मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त विधि महाविद्यालयों की सूची सार्वजनिक रूप से जारी करे। याचिका को न्यायालय की रजिस्ट्री में प्रस्तुत कर दिया गया है और इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। गौरतलब है कि 1 सितंबर से एबीवीपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों की अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया था।

बिट्स पिलानी गोवा कैंपस में एक और छात्र की मौत, एसआईटी जांच की मांग

पणजी (एजेंसी)। दक्षिण गोवा स्थित बिट्स पिलानी (केके बिड़ला गोवा परिसर) में गुरुवार को 20 वर्षीय छात्र ऋषि नायर अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, मोबाइल कॉल का जवाब न मिलने पर छात्रावास का दरवाजा तोड़ा गया, जहां ऋषि को बिस्तर पर बेसुध हालत में पाया गया। यह घटना परिसर में पिछले 10 महीनों में पांचवीं और एक महीने के भीतर दूसरी मौत है। जानकारी के मुताबिक, ढाई महीने पहले हैदराबाद में प्रेमिका की आत्महत्या के बाद ऋषि अवसाद में चला गया था। माता-पिता ने उसे गोवा परिसर में शिफ्ट किया था और वो वहीं रह भी रहा था। गुरुवार सुबह उससे जब संपर्क नहीं किया जा सका तो परिजन छात्रावास पहुंचे और उसके बाद ही शव बरामद हुआ। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। इससे पहले दिसंबर 2024 से अब तक छात्र ओम प्रियन सिंह, अथर्व देसाई, कृष्णा कसेरा और कुशाग्र जैन की मौत भी छात्रावास में हो चुकी है।

जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। उन्होंने कहा, कि ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जांच रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, कांग्रेस नेता ओलेंसियो सिमोस ने लगातार होती मौतों को लेकर राज्य सरकार और गृह मंत्रालय पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोर्टालिम क्षेत्र के लोग सदमे में हैं और यह कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। उन्होंने विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग दोहराई।

सैनी सरकार पर सुरजेवाला का हमला बोले- जंगलराज से भी आगे निकल गया हरियाणा राज्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भिवानी कोर्ट परिसर में गुरुवार को दिनदहाड़े हुई गोलीबारी ने प्रदेश को दहला दिया। बताया जाता है कि बदमाशों ने कोर्ट में पेशी पर आए रोहतक निवासी युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद अदालत जैसे संवेदनशील स्थल पर सुरक्षा को लेकर विपक्षी नेताओं ने कड़ी चिंता जताई जा रही है। राज्यसभा सांसद कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सूबे की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा ने हरियाणा को पूरी तरह से अपराध के आतंक और जंगलराज के अंधेरे में झोंक दिया है। अब प्रदेश में क़ानून का राज तो दूर, न्याय की दहलीज पर भी बेख़ौफ़ होकर कहर बरपाते गुंडो की गोलियों का शोर है। उन्होंने कहा, आज हरियाणा के भिवानी कोर्ट परिसर में बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर रोहतक से आए युवक को लहूलुहान कर दिया। हरियाणा में भाजपा के फैलाए गुंडाराज में अब क्या कोर्ट-कचहरी पर भी अपराधियों और माफियाओं का कब्ज़ा हो गया है? भाजपा ने हरियाणा के लोगों की ज़िंदगी अब गुंडों, बदमाशों, अपराधियों और माफियाओं के हवाले करके, पूरा प्रदेश ही सौंप दिया है। सुरजेवाला ने सीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा, विपक्ष के नेताओं को धमकाने और हर बात पर चुटकुले सुनाने-कहकहे लगाने वाले हरियाणा के सीएम नायब सैनी सत्ता के महल में मखमली चादर तानकर सोए हैं। वे यही नहीं रुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला करते हुए उन्होंने कहा, बाकी प्रदेश के लोगों को खोखले वादे और केवल चुनावी झांसे देने वाले पीएम मोदी का तो अगले चुनाव तक हरियाणा से कोई मतलबी नाता है नहीं।

कर्नाटक में ईवीएम नहीं बैलेट पेपर से होगा चुनाव, कांग्रेस की चाल से सकते में आयोग!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में ईवीएम मशीन से चुनाव और 'वोट चोरी' को लेकर विपक्ष का विरोध जारी है। सरकार से वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है कि ईवीएम से चुनाव में गड़बड़ी हो रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने विपक्ष के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग कहा कहना है कि ईवीएम को हैक करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, लेकिन इन सबके बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने वैलेट पेपर से चुनाव कराने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक कैबिनेट ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग को राज्य में आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय वैलेट पेपर से कराने की सिफारिश करने के अपने फैसले की घोषणा की। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों में ईवीएम को लेकर

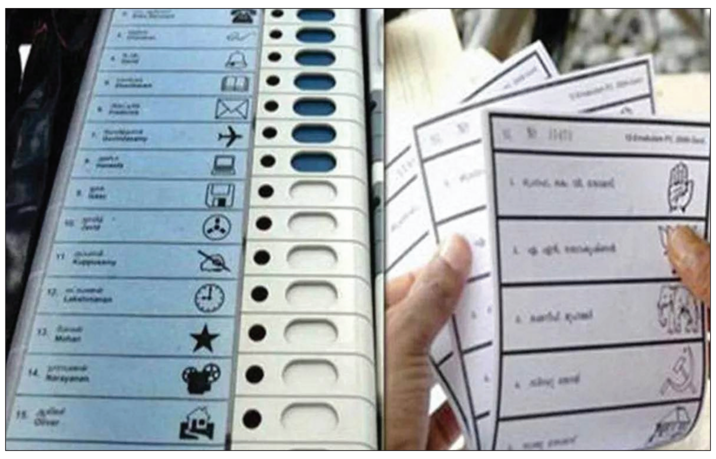

विश्वास और विश्वसनीयता कम हो रही है।

पाटिल ने वोटर लिस्ट में सुधार को लेकर भी सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने राज्य चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट में संशोधन को आसान बनाने के लिए जरुरी कानूनी उपाय करने और मौजूदा नियमों में संशोधन करने का फैसला किया है। कानून और संसदीय कार्यमंत्री पाटिल ने बताया कि वैलेट पेपर से चुनाव का फैसला सरकार ने सोच समझ कर लिया है। उन्होंने बताया कि वैलेट पेपर को समर्थन देने का कैबिनेट का यह फैसला बेंगलुरु में पंचायतों और पांच नवगठित नगर निगमों के चुनावों से पहले मतदाता सूची के एसआईआर की सिफारिश के साथ आया है।

पाटिल ने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव अब तक विधानसभा चुनावों के लिए तैयार मतदाता सूचियों पर निर्भर रहे थे। अब एक ऐसी पद्धति डेवलप की जाएगी, जिससे लोगों की निर्भरता नहीं रहेगी। इसके लिए राज्य चुनाव आयोग को सिफारिश भेजा जाएगा।

पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक और पूरे देश में मतदाता सूची में बेमेल, नाम जोड़ने और हटाने के कारण वोट चोरी की व्यापक चिंताएं रही हैं। उन्होंने कहा कि अब हमने राज्य निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करने की सिफारिश करने का फैसला लिया है, ताकि यह तय किया जा सके कि कर्नाटक में मतदाताओं को मतदान करने के अवसर से वंचित न किया जाए।

दुबई के साईं भक्त ने 1 करोड़ 58 लाख रुपये का सोना दान किया

शिरडी (एजेंसी)। श्रद्धा और धैर्य का महामंत्र देने वाले शिरडी के साईं बाबा के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। इस अवसर पर भक्त साईं बाबा को उदारतापूर्वक दान देते हैं। शिरडी के साईं बाबा को 2008 में हैदराबाद के आदिनारायण रेड्डी ने एक स्वर्ण सिंहासन भेंट किया था। तब से, इसे साईं बाबा को मिला सबसे बड़ा दान माना जाता था। लेकिन 17 साल बाद, आज एक बार फिर, दुबई के एक साईं भक्त ने 1 किलो 623 ग्राम 600 मिली ग्राम वजन के दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र भेंट किए हैं। इसका मूल्य 1 करोड़ 58 लाख रुपये है और इस भक्त ने गुप्त दान किया है और साईं बाबा संस्थान से अपना नाम उजागर न करने का अनुरोध किया है। संस्थान से जुड़े सूत्र बताते हैं कि दुबई का ये भक्त, जिन्होंने साईं बाबा को सोना चढ़ाया है, साईं बाबा की समाधि के दर्शन के लिए हर महीने शिरडी आते हैं। वे आरती में भी शामिल होते हैं। साईं दर्शन के बाद, वे हमेशा संस्थान को लगभग 1 लाख रुपये का दान देते हैं। वे कई वर्षों से साईं बाबा को सोने की कोई वस्तु दान करना चाहते थे। आखिरकार, गुरुवार के पावन दिन, उन्होंने दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र अर्पित करके अपनी इच्छा पूरी की। दुबई के इस भक्त द्वारा दिए गए स्वर्ण दान को साईं बाबा संस्थान ने समाधि मंदिर के दोनों द्वारों पर स्थापित किया है जहाँ से भक्त दर्शन के बाद बाहर निकलते हैं। इससे भक्त मंदिर से बाहर निकलते समय ? साईं राम का जाप करते हैं। इस दान की जानकारी देते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने कहा, यह भक्त चाहता था कि उसका दान गुप्त रहे। इसलिए, उसके नाम की घोषणा नहीं की गई है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा भक्त को शॉल, साईं मूर्ति और उदी भेंटकर सम्मानित किया गया।

तेजस्वी के डांस पर बड़े भाई तेज प्रताप का सियासी तंज! हर किसी का अपना हुनर है, श्रीकृष्ण भी नाचते थे

मुंबई (एजेंसी)। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी राज्य बिहार में चल रही सियासत के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव विपक्ष की मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के एक दिन बाद, पटना के मरीन ड्राइव एक्सप्रेसवे पर लड़कों के साथ नाचते नज़र आए। यह वीडियो उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। तेजस्वी खुशी-खुशी ग्रुप में शामिल हो गईं और उन्होंने कुछ ट्रेंडिंग डांस स्टेप्स सीख लिए और यहां तक ??कि बॉलीवुड अभिनेता और शीर्ष डांसर ऋतिक रोशन के सिग्नेचर स्टेप्स की नकल करने की भी कोशिश की।

हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादन ने भी उनपर तंज कसा है। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के नाचते हुए वायरल वीडियो पर कहा कि अगर वह नाच रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? अगर वह नाचना चाहते हैं, तो वह नाचेंगे। उन्हें कौन रोक सकता है? कई बार ऐसा होता है जब मैं बांसुरी बजाता हूं। हर किसी का अपना कौशल होता है... युवा नृत्य करने के लिए प्रेरित होंगे। श्री कृष्ण भी नाचते थे।

वीडियो में तेजस्वी यादव को एक समर्पित प्रशिक्षु की तरह युवा लड़कों से ट्रेंडी डांस स्टेप्स सीखते हुए देखा जा सकता है, जो उन्हें युवा पीढ़ी का एक सच्चा नेता बनाता है। वीडियो शेयर करते हुए, यादव ने लिखा, ÷16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा कल गर्मी, बारिश और उमस के बीच संपन्न हुई। रात में, सिंगापुर से मेरे भतीजे ने सुझाव दिया कि हम ड्राइव पर चलें। रास्ते में, हमें कुछ युवा कलाकार मित्र मिले जो गा रहे थे और रील बना रहे थे। उन्होंने हमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए हमने कोशिश की। हम सब मिलकर, युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और आशाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए, जाति और धर्म से ऊपर उठकर, सद्भाव, सरलता और सहजता से काम करेंगे और सरकार में बदलाव के माध्यम से एक नया बिहार बनाने का संकल्प लेंगे।÷

ज्ञानवापी, काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार, महमूद मदनी ने आरएसएस के सुझाव का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदायों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बातचीत का समर्थन किया और संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों का स्वागत किया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, एक इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही बातचीत के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित कर दिया है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि मतभेद तो हैं, लेकिन उन्हें कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मदनी ने एएनआई को बताया कि बहुत सारे किंतु-परंतु हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि बातचीत होनी चाहिए। मतभेद हैं, लेकिन हमें उन्हें कम करने की ज़रूरत है... हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। हाल ही में, आरएसएस प्रमुख ने ज्ञानवापी और मथुरा-काशी पर बयान दिए।

मुस्लिम समुदाय तक पहुँचने के उनके प्रयासों की प्रशंसा और सराहना की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करेंगे। ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा-काशी विवाद पर भागवत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, मदनी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की बातचीत को मान्यता मिलना ज़रूरी है।

इससे पहले, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर संघ द्वारा आधिकारिक रूप से समर्थित एकमात्र आंदोलन है, हालाँकि सदस्यों को काशी और मथुरा आंदोलनों की वकालत करने की अनुमति है। उन्होंने भारत में इस्लाम की स्थायी उपस्थिति पर ज़ोर दिया, जनसांख्यिकी संतुलन के लिए प्रत्येक भारतीय से तीन बच्चे पैदा करने का आग्रह किया, और नागरिकों के लिए नौकरियों की वकालत करते हुए, असंतुलन के लिए धर्मांतरण और अवैध प्रवासन को ज़िम्मेदार ठहराया।

मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और विमर्श के स्तर में गिरावट की भी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विपक्षी नेताओं और राज्य के नेताओं सहित सभी राजनीतिक दल के नेता अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौलाना मदनी ने पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने के लिए देश के नागरिक समाज को भी श्रेय दिया और कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में हुई होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती।

तेजस्वी का बड़ा आरोप कहा- बिहार तो छोड़िए एक वार्ड तक बंद नहीं करा सकती भाजपा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने के विरोध में एनडीए के बिहार बंद को राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने विफल बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार बंद कराना तो बहुत दूर की बात है भाजपा पंचायत का एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाई। उनका बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी की। भाजपाई गुंडों ने सरेआम महिलाओं को पीटा, शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस को रोका, शहीद के परिजनों को पीटा लेकिन फिर भी ये लोग एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे उनकी रैली में पुलिस और प्रशासन पर दबाव दिया जाता है, उसी तरह बिहार बंद के लिए भी पुलिस को बोल देना चाहिए था। वे ही ट्रैफिक रुकवा देते। तेजस्वी ने कहा, गुजरात के रहने वाले मोदी ने वोट की खेती के लिए बिहार बंद में आम बिहारियों को परेशान करने का मस्ती भरा निर्णय ले लिया। बता दें कि बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले भाजपा और विपक्षी दल अपनी जमीन मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने के विरोध में एनडीए ने बिहार बंद का आव्हान किया था। जिसे एनडीए सफल बता रहा है और विपक्ष का दावा है कि बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है।

कर्नाटक सरकार पहली बार करा रही लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण

-सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ, ट्रांसजेंडर के सदस्य भी लेंगे भाग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने गुरुवार को पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के शुरुआती सर्वेक्षण की शुरुआत की। ये सर्वे राज्य के सभी जिलों में कराए जाएंगे। इस सर्वे के साथ पूर्व देवदासियों का फिर सर्वेक्षण भी किया गया है। हालांकि पूर्व देवदासियों का सर्वे सिर्फ 15 जिलों में होगा। पहली बार हो रहे इस सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य भी भाग लेंगे। यह सर्वेक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा और 45 दिनों तक चलेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी एकत्र करने और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किए जाएंगे, जिन जिलों में पूर्व देवदासियों के सर्वे कराए जाएंगे, उनमें बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गडग, कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगिरि,

शिवमोग्गा, बल्लारी और विजयनगर शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम द्वारा किए जा रहे दोनों सर्वेक्षण 15 सितंबर को शुरू होंगे और 45 दिनों के अंदर पूरे हो जाएंगे। सर्वेक्षण कराने की तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, सरकार ने दो ऐप तैयारी किए हैं और एक हेल्पलाइन नंबर (1800 599 2025) भी शुरू किया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य भर के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासी महिलाओं का पुनः सर्वेक्षण 15 जिलों के तालुका बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि देवदासी पुनर्वास परियोजना इकाई के अधिकारी स्तर के कर्मचारी पूर्व देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण करेंगे।

बता दें लैंगिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन, समाज या कार्यस्थल में पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर, नॉन-बाइनरी आदि के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है उस बारे में जानकारी जुटाना है। इसके अलावा भेदभाव, अवसर, वेतन और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं पर जानकारी इकट्ठा करना है। ये सर्वेक्षण लैंगिक असमानताओं की पहचान करने, पूर्वाग्रहों को उजागर करने और अधिक न्यायसंगत व समतापूर्ण कार्यस्थल बनाने में मदद करते हैं। सिद्धारमैया सरकार ने लैंगिक अल्पसंख्यकों के भेदभाव का पता लगाने के लिए यह सर्वे शुरू कराने का फैसला किया है, जिसे अल्पसंख्यक महिलाओं को रिझाने का एक सियासी दांव समझा जा रहा है। इससे पहले सिद्धरमैया सरकार ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 फीसदी आरक्षण देने का बिल पास किया था।

पश्चिम बंगाल में नया बवाल: टीएमसी कुणाल घोष और भाजपा के मिथुन चक्रवर्ती के बीच तनातनी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के एक धाकड़ नेता और विपक्षी भाजपा के एक दमदार चेहरे के बीच तकरार छिड़ गई है और मामला हाई कोर्ट तक जा पहुंचा है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने गुरुवार को कहा कि उन्हें पता चला है कि अभिनेता से भारतीय जनता पार्टी नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने कलकत्ता हाई कोर्ट में उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये की दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि यहां अगले साल यानी 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं इसके साथ ही आए दिन नए नए बवाल भी शुरु हो गए हैं।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता घोष ने कहा कि उन्होंने भी चक्रवर्ती के खिलाफ बैंकशाल अदालत में आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर करवा दिया है, जिसमें अभिनेता द्वारा उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक चक्रवर्ती के वकील से कोई नोटिस नहीं मिला है और वह अदालत में मुकदमे की सुनवाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। घोष ने कहा कि उन्हें सूत्रों से पता चला कि चक्रवर्ती ने उनके खिलाफ उच्च न्यायालय में दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। चक्रवर्ती ने पहले घोष को एक कानूनी नोटिस भेजा था। घोष के वकील अयान चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने नोटिस का जवाब पहले ही भेज दिया था। घोष ने कहा कि जब चक्रवर्ती का मुकदमा सुनवाई के लिए आएगा, तो वह उच्च न्यायालय से अभिनेता के खिलाफ लगाए गए आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करेंगे। सूत्रों के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि कुणाल घोष ने जानबूझकर राजनीतिक द्वेष के तहत उनके और उनके परिवार के खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियां कीं। घोष ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि अभिनेता चिटफंड घोटाले में शामिल थे और जांच से बचने के लिए तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

चीन ने बीजिंग से दिए कई संदेश, इधर भारत 53 देशों के साथ बैठक कर दिखाई अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही। एक तो चीन की राजधानी बीजिंग में हुई मिलिट्री परेड और दूसरी भारत में 53 देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक कर बड़ी कार्ययोजना पर चर्चा की। दोनो ही घटनाओं शक्ति सामर्थ और एकजुटता से जुड़े हुए संदेश थे। सबसे पहले बात करते हैं चीन की। जहां चीन ने कुछ दिनों पहले ही मिलिट्री परेड का आयोजन किया था। इस शक्ति प्रदर्शन में दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की थी। एक्सपर्ट की नजर में इसका सबसे बड़ा मकसद अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों को संदेश देना था कि चीन अब झुकने वाला नहीं है। वहीं, फाइटर जेट से लेकर अल्ट्रा मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस मिसाइल को दुनिया के सामने पेश कर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह संदेश भी दे दिया कि चीन अब डिफेंस तकनीक के क्षेत्र में भी पीछे नहीं है। इससे अमेरिका समेत तमाम वेस्टर्न पावर में खलबली मची हुई है।

इधर, राजधानी दिल्ली में 53 देशों के 67 प्रतिनिधियों का महाजुटान हुआ है। इस महाकार्यक्रम में कई मसलों पर विचार-विमर्श हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा से जुड़ी अपने तरह की यह पहली महाबैठक थी। इंडियन आर्मी ने दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में विदेशों से भारत में तैनात रक्षा अताशे के लिए वार्षिक ब्रीफिंग आयोजित की। इस मौके पर समकालीन वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों तथा उन पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया गया। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इस कार्यक्रम में 53 देशों से आए 67 रक्षा अताशे शामिल हुए। इस दौरान भारत की सुरक्षा नीतियों, रणनीतिक प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों के प्रति दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारत के सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी हिस्सा लिया और विदेशी अताशे के साथ बातचीत की। उन्होंने उभरते क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों, भारत की रणनीतिक सोच और भारतीय सेना की प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए। सेना ने बताया कि इन चर्चाओं से रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक शांति व स्थिरता की दिशा में साझा समझ विकसित होगी। भारतीय सेना ने ब्रीफिंग के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्वदेशी रक्षा उत्पादन की दिशा में हो रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है बल्कि मित्र देशों के साथ सहयोग के नए आयाम भी स्थापित करना है।

सेना द्वारा साझा की गई तस्वीरों में विदेशी रक्षा अताशे और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को विभिन्न सत्रों में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। कार्यक्रम ने भागीदार देशों के प्रतिनिधियों को भारत की सैन्य दृष्टि और दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा को बेहतर ढंग से समझने का अवसर दिया। भारतीय सेना के मुताबिक, इस तरह के संवाद से आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है। साथ ही यह अवसर वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली सामूहिक पहल को मजबूत करता है। करीब चार घंटे चले इस वार्षिक सत्र में रक्षा अताशे ने भारतीय सैन्य नेतृत्व के साथ कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और भविष्य में रक्षा साझेदारी को गहरा करने पर सहमति जताई।

संक्षिप्त समाचार

इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी

स्प्रिंगफील्ड, एजेंसी। संघीय अपील अदालत ने इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी दे दी है। साथ ही निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया है जिसमें पाया गया था कि यह प्रतिबंध दूसरे संशोधन का उल्लंघन करता है। अमेरिकी अपील अदालत के न्यायाधीश जोशुआ कोलार ने तीन न्यायाधीशों वाले पैनल के बहुमत के मत में लिखा कि यह प्रतिबंध संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले, सीमित स्थानों पर हथियारों की सीमा तय करने की सदियों पुरानी प्रथा के अनुकूल है।

वेनेजुएला गिरोह का पुराने कानून से निर्वासन न करें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके उन लोगों को निर्वासित नहीं सकते, जिन पर उनकी सरकार वेनेजुएला के एक गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाती है। इस फैसले से ट्रंप प्रशासन की बड़ी पहल पर रोक लग गई है। देश की रूढ़िवादी संघीय अपील कोर्ट में तीन जजों की पीठ ने 2-1 से दिए फैसले में प्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं व निचली अदालतों की दलीलों से सहमति जताई।

ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से टैरिफ मामले में त्वरित सुनवाई की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने बुधवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ को वैध ठहराने की त्वरित मांग की। इससे पहले, फेडरल सर्किट की अपील अदालत ने फैसला सुनाया था कि डोनाल्ड ट्रंप के अधिकांश टैरिफ आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत अवैध हैं, हालांकि अदालत ने उन्हें फिलहाल लागू रहने दिया। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह जल्द हस्तक्षेप करे और राष्ट्रपति को संघीय कानून के तहत व्यापक व्यापारिक दंड लगाने का अधिकार स्पष्ट करे। यह मामला ट्रंप की व्यापार नीतियों और अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियों के दायरे को लेकर महत्वपूर्ण कानूनी मोड़ माना जा रहा है।

यूएन का दावा, यमन में हूतियों की हिरासत में हैं 19 कर्मचारी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व निकाय के मुताबिक, यमन की राजधानी में उसके कार्यालयों पर धावा बोलने के दौरान ईरान समर्थित हूतियों ने 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया। यह शुरुआत में बताई गई संख्या से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हिरासत में लिए गए उसके कर्मचारियों में से 18 यमन के नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी को तुरंत रिहा करने की अपील की।

ब्रिटिश उप प्रधानमंत्री ने कम संपत्ति कर जमा किया, बर्खास्तगी की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री और आवास मंत्री एंजेला रेनर ने स्वीकार किया कि उन्होंने गलत कानूनी सलाह मिलने के बाद हाल ही में इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे गए नए घर पर कम कर का भुगतान किया था। उनकी यह स्वीकारोक्ति कम स्टाम्प ड्यूटी को लेकर कई सप्ताह से मीडिया में गहन कवरेज के बाद आई है। इसके साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। रेनर ने कहा, मैं स्वीकार करती हूं कि वकीलों पर भरोसा करने के कारण गलती हुई। उन्होंने प्रावधानों को नहीं समझा। मैंने खरीद के समय उचित स्टाम्प शुल्क का भुगतान नहीं किया।

हॉट माइक से लीक हुई पुतिन और जिनपिंग की बातचीत

इंसानों की उम्र बढ़ाने की संभावना पर कर रहे थे चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीन के समकक्ष शी जिनपिंग जब बुधवार को कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, तो एक हॉट माइक ने उनकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली, जिसमें वह अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) और इंसानों की उम्र 150 साल तक बढ़ाने की संभावना पर बात कर रहे थे। यह पल तब आया जब पुतिन और जिनपिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ मिलकर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल में दो दर्जन से ज्यादा विदेशी नेता शामिल थे। ये सभी बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड देखने पहुंचे थे। यह भव्य सैन्य परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की गई थी।

1.9 अरब बार देखी गई कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज : चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के लाइवस्ट्रीम में यह पल रिकॉर्ड हुआ, जिसमें सीजीटीएन, एपी और रॉयटर्स सहित अन्य मीडिया ने भी प्रसारित किया। चीन के रेडियो और टेलीविजन प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज को 1.9 अरब बार ऑनलाइन देखा गया और 40 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा।

तीनों नेताओं में क्या बातचीत हुई? : जैसे ही पुतिन और जिनपिंग, किम जोंग उन के साथ परेड देखने के लिए तियानानमेन के मंच की ओर बढ़ रहे थे, तो पुतिन के अनुवादक की चीनी भाषा में आवाज सुनाई दी, जिसमें वह कह रहे थे- बायोटेक्नोलॉजी लगातार विकसित हो रही है। इसके बाद एक अस्पष्ट हिस्से के बाद अनुवादक ने कहा, मानव अंगों का बार-बार प्रत्यारोपण किया जा सकता है। जितना अधिक आप जीते हैं, उतने ही युवा होते जाते हैं और (आप) भी प्राप्त कर सकते हैं। शी जिनपिंग उस समय कैमरे में नहीं दिख रहे थे, लेकिन उन्हें चीनी भाषा में जवाब देते हुए सुना गया- कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 तक जी सकते हैं।

किम जोंग उन मुस्करा रहे थे और पुतिन व शी की ओर देख रहे थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत उनके लिए अनुवाद की जा रही थी या नहीं। सीसीटीवी क्लिप में पुतिन की आवाज रूसी भाषा में साफ-साफ सुनाई नहीं दी। रूसी सरकार ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन के विदेश मंत्रालय और सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने भी रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया।

कार्यक्रम में मौजूद थे 50 हजार से अधिक लोग : जैसे ही शी ने बोलना शुरू किया, वीडियो में दृश्य बदल गया और तियानानमेन स्क्वायर का दूर का शॉट दिखाया गया और ऑडियो धीमा हो गया। करीब तीस सेकंड बाद ही शी, पुतिन और किम दोबारा कैमरे में दिखाई दिए, जब वे परेड देखने के लिए मंच की ओर सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे। कार्यक्रम में पचास हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया अभी शांति या युद्ध के विकल्प के बीच खड़ी है। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलों और नौसैनिक ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का निरीक्षण भी किया।

चीन और रूस के बीच कई समझौते : पुतिन रविवार को चीन पहुंचे थे, जहां उन्होंने चीन की मेजबानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 20 से अधिक वैश्विक नेता शामिल हुए। पुतिन और शी ने उर्जा से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक 20 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने एक नई गैस पाइपलाइन बनाने पर भी सहमति जताई। हालांकि गैस के दाम और वित्त जैसे अहम बिंदुओं पर कोई जानकारी नहीं दी गई।

ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने पलट दिया हार्वर्ड की फंडिंग में कटौती वाला फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने ट्रंप सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी जाने वाली 2.6 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग में कटौती की गई थी। यह हार्वर्ड के लिए बड़ी जीत है। जज एलिसन बरोज ने कहा कि यह कटौती गलत थी और इसे सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि हार्वर्ड ने सरकार की कुछ मांगों को मानने से इनकार कर दिया था।

पूरा विवाद समझिए : ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड पर आरोप लगाया था कि वह परिसर में यहूदी-विरोधी गतिविधियों को रोकने में नाकाम रहा और वहां बहुत ज्यादा उदारवादी विचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रशासन ने 11 अप्रैल को एक पत्र के माध्यम से हार्वर्ड से परिसर में विरोध प्रदर्शनों, अकादमिक नीतियों और प्रवेश प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव की मांग की थी। इस पत्र में

छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण का ऑडिट करने, मेरिट-आधारित प्रवेश और नियुक्ति नीतियों को लागू करने, और विविधता, समानता और समावेशन कार्यक्रमों को बंद करने जैसे कदमों की मांग की गई थी।

हार्वर्ड ने 14 अप्रैल को इन मांगों को ठुकरा दिया, जिसके तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 2.2 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग को फ्रीज कर दिया। मई में शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने घोषणा की कि हार्वर्ड नई फंडिंग के लिए पात्र नहीं होगा, और बाद में प्रशासन ने हार्वर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करना शुरू कर दिया।

न्यायिक फैसला : जज बरोज ने अपने 84 पेज के आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का हवाला देकर रिसर्च फंडिंग को अवैध रूप से रोकने के लिए फर्जी कहानी बनाई। जज ने अपने फैसले में कहा कि सरकार ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का बहाना बनाकर हार्वर्ड की फंडिंग रोकी, जो गलत था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने कानून के नियमों का पालन नहीं किया। जज ने आदेश दिया कि हार्वर्ड की सारी फंडिंग बहाल की जाए और भविष्य में ऐसी कटौती न हो, जो हार्वर्ड के अधिकारों का उल्लंघन करे।

हार्वर्ड की प्रतिक्रिया : हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने यहूदी-विरोधी भावनाओं से लड़ने की प्रतिबद्धता जताई, लेकिन कहा कि कोई भी सरकार निजी विश्वविद्यालयों को यह तय करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती कि वे क्या पढ़ाएं, किसे प्रवेश दें या नियुक्त करें, और किन क्षेत्रों में रिसर्च करें। वाइट हाउस की प्रवक्ता लिज हस्टन ने जज बरोज को ओबामा द्वारा नियुक्त कार्यकर्ता जज करार देते हुए फैसले की निंदा की और कहा कि सरकार तत्काल अपील करेगी। उन्होंने दावा किया कि हार्वर्ड ने अपने छात्रों को उत्पीड़न से बचाने में विफलता दिखाई और परिसर में भेदभाव को पनपने दिया। हस्टन ने कहा, हार्वर्ड को करदाताओं के धन का संवैधानिक अधिकार नहीं है और वह भविष्य में अनुदानों के लिए अयोग्य रहेगा।

किम के बाद बेटी जू बन सकती हैं सत्ता की दावेदार, पिता के साथ चीन जाने से अटकलें हुईं तेज

प्योंगयाग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके आसपास की दुनिया हमेशा रहस्यमयी बनी रहती है। वहां की अंदरुनी राजनीति के बारे में भी बाहरी दुनिया को बहुत कम जानकारी होती है। यहां की सत्ता केवल किम परिवार के हाथों में ही रही है। उत्तर कोरिया के मौजूदा नेता किम जोंग उन इसी परंपरा को आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि उनके बाद उत्तर कोरिया की सत्ता उनकी बेटी किम जू ए के हाथों में होगी। इन अटकलों को इस बात से और बल मिला कि किम जोंग उन चीन के सैन्य परेड में शामिल होने गए तो अपनी इस किशोर बेटी को भी साथ ले गए।

विदेश के किसी कार्यक्रम में जू ए की यह पहली मौजूदगी थी। नवंबर 2022 में वह पहली बार अपने पिता के साथ किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखीं थी। यह वह समय था जब उत्तर कोरिया ने अपनी सबसे बड़ी

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का सफल प्रदर्शन किया था। परीक्षण स्थल पर किम जोंग बेटी का हाथ पकड़े दिखे थे। उसके बाद से जू अपने पिता के साथ देश में ही कई महत्वपूर्ण और समारोहों में दिखती रही हैं।

परिवार की चौथी पीढ़ी की नेता होंगी : विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यात्रा से किम जोंग अपनी बेटी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। वह यह संदेश देना चाहते हैं कि सत्ता आगे भी परिवार में ही रहेगी। अगर ऐसा होता है तो वह परिवार की चौथी पीढ़ी की नेता होंगी। हालांकि, पुरुष प्रधान देश में किसी महिला को नेता के रूप में स्वीकारना आसान नहीं होगा। किम जोंग की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर कई बार रिपोर्टें आ चुकी हैं।

पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब ला रहा व्हाइट हाउस, ट्रंप के पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने गुरुवार (स्थानीय समय) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 टैरिफ को लेकर ट्रंप पर निशाना साधा और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस और चीन के करीब लाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टैरिफ नीति ने पिछले अमेरिकी प्रशासन की दशकों की मेहनत पर पानी फेर दिया है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोल्टन ने एक पोस्ट में कहा, व्हाइट हाउस ने पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब लाकर अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है। बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है। उन्होंने ट्रंप की टैरिफ नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसने भारत को तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) के साथ शीत युद्ध के संबंधों से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के दशकों के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।

जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया : इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को एक्स पर कई पोस्टों में बोल्टन ने ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने

का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि इस नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है।

विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त किया : बोल्टन ने अपने एक पोस्ट में कहा, पश्चिम ने दशकों से भारत को सोवियत संघ या रूस के साथ शीत युद्ध के लगाव से दूर करने की कोशिश की है और चीन की ओर से उत्पन्न खतरे के प्रति भारत को आगाह किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। एक अन्य पोस्ट में लिखा था, डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कूटनीतिक कदमों को व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखने की अनिच्छा ने शी जिनपिंग को पूर्व को फिर से स्थापित करने का अवसर दिया है।

50 फीसदी टैरिफ की आलोचना की : जॉन बोल्टन एक पूर्व अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (2018-19) के रूप में कार्य किया था। बाद में तत्कालीन प्रशासन की विदेश नीति पर ट्रंप के साथ मतभेदों के कारण उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका की ओर से भारतीय आयातों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद (जिसमें नई दिल्ली की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल था) बढ़ते आर्थिक तनाव के कारण नई दिल्ली वैश्विक अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है।

चीन में साथ आए थे पीएम मोदी, जिनपिंग और पुतिन : यह टिप्पणी चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन के समापन के बाद आई है, जिसके दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

चीन से किम जोंग का जूठा गिलास ले गए बॉडीगार्ड्स -पुतिन से मुलाकात के बाद फिंगरप्रिंट भी मिटाए

सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा

बीजिंग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। डेली मेल के मुताबिक, इस मुलाकात के बाद किम जोंग के गार्ड्स उनका जूठा गिलास अपने साथ ले गए। उन्होंने उस कुर्सी-टेबल को भी सावधानी से साफ कर दिया, जिस पर किम बैठ थे। रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने बताया कि मीटिंग के बाद कुर्सी, टेबल और आस पास की चीजों को इस तरह साफ किया कि उन पर किम का कोई निशान नहीं छूट जाए।

एक्सपर्टर्स का अनुमान है कि ये रूस और चीन की जासूसी से बचने की कोशिश हो सकती है या फिर किम अपनी हेल्थ की जानकारी छिपाना चाहते हैं। किसी नेता के फिंगर प्रिंट और मल-मूत्र से उसके डीएनए और हेल्थ से जुड़ी सीक्रेट जानकारी पता की जा सकती है।

सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा : फिंगरप्रिंट से किसी भी इंसान के सीक्रेट दस्तावेज तक पहुंच हासिल की जा सकती है।

फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल फोन, लैपटॉप, और सीक्रेट ठिकानों में एंट्री के लिए भी होता है। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं।

विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों की सिक्योरिटी एजेंसी विदेश दौरे पर अपने नेता के फिंगरप्रिंट साफ कर देती हैं और उनके मल-मूत्र वापस ले जाती है।

कोरोना के बाद पहली बार चीन पहुंचे किम जोंग : पत्रकार युनाशेव के मुताबिक, किम और पुतिन की मुलाकात अच्छी रही। दोनों नेता खुश थे और बाद में साथ में चाय पीने गए। किम ने पुतिन से कहा- अगर मैं रूस के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी।

पुतिन ने उत्तर कोरिया को यूक्रेन में सैनिक भेजने के लिए शुक्रिया कहा। कोविड-19 के बाद किम जोंग का यह पहला चीन दौरा था। यहां उन्होंने पुतिन के साथ चीन की विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लिया।

हैती में गिरोहों से निपटेगा 5550 सैनिकों वाला नया बल, अमेरिका और पनामा ने यूएनएससी के सामने रखा प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से आग्रह किया है कि हैती में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए 5,550 सदस्यों वाले एक नए अंतरराष्ट्रीय बल को मंजूरी दी जाए और इस बल को गिरोहों के सदस्यों को हिरासत में लेने की शक्ति भी दी जाए। दोनों देशों ने यूएनएससी के सामने एक मसौदा रखा है, जिसमें हैती में पहले से तैनात केन्या के अगुवाई वाले बल को बदलने की बात कही गई है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राजधानी के 90 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके गिरोह : सबसे पहले केन्या के सैनिक जून 2024 में हैती पहुंचे थे। बल में शुरुआत में सैनिकों की संख्या ढाई हजार होनी थी, लेकिन फंड की कमी के कारण इस संख्या को फिहलाल एक हजार से भी कम रखा गया है। हैती में 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की हत्या के बाद से गिरोहों की ताकत काफी बढ़ गई है। ये गिरोह

अब राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस के नब्बे फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके हैं और गांवों तक अपना नेटवर्क फैला चुका हैं। इन गिरोहों के सदस्य लूटपाट, अपहरण, यौन हिंसा और दुष्कर्म जैसे अपराधों में शामिल हैं। राष्ट्रपति की हत्या के बाद से हैती में कोई निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं है।

छह पन्नों के मसौदे में क्या कहा गया? : छह पन्नों के मसौदे में हैती का धन्यवाद किया गया है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का नेतृत्व किया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में कही गई बात को दोहराया गया है कि यह बल गिरोहों के बढ़ते प्रभाव को रोकने में विफल रहा है, इसलिए इसे और मजबूत करने की जरूरत है। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने 28 अगस्त को कहा था कि अमेरिका एक नए गिरोह दमन बल के लिए संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी चाहता है। यह मसौदा प्रस्ताव कहता है कि यह नया बल हैती सरकार के सहयोग से एक साल तक काम करेगा और उसे गिरोहों के जुड़े लोगों को पकड़ने और हिरासत में लेने की शक्ति होगी। इस बल में 5,500 वर्दी पहने सैनिक और पचास नागरिक होंगे, जिनका वेतन स्वैच्छिक योगदान से दी जाएगी। हालांकि, इसमें यह नहीं बताया गया हैकि केन्या या कोई अन्य देश सैनिक या पुलिस बल देगा या नहीं। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह बल स्वतंत्र रूप से खुफिया आधारित कार्रवाई कर गिरोहों को अलग करने, खत्म करने और उन्हें रोकने का काम करेगा, ताकि नागरिकों के खिलाफ हिंसा, मानवाधिकार हनन और हैती की संस्थाओं को कमजोर होने से रोका जा सके। यह नया बल हवाई अड्डों, बदरगाहों, स्कूलों, अस्पतालों जैसी महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा भी करेगा और हैती की पुलिस व सेना के साथ मिलकर काम करेगा।

एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन बोलीं- लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मैं बहुत गरीब हूं

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें अरबपति की बेटी मानकर बेहद अमीर समझते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि वह कंगाल हैं और साधारण जिंदगी जी रही हैं। 21 वर्षीय विवियन मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। उन्होंने द कट मैग्जीन से बातचीत में बताया कि वह तीन रूममेट्स के साथ रहती हैं क्योंकि यह सस्ता पड़ता है। उन्होंने साफ कहा, लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मेरे पास लाखों-करोड़ों डॉलर नहीं हैं।

अमीर पिता से दूरी : विवियन ने स्वीकार किया कि उनकी मां आर्थिक रूप से संपन्न हैं और उनके पिता एलन मस्क अकल्पनीय रूप से धनी हैं, लेकिन उन्होंने खुद को इस अमीरी से अलग रखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत ज्यादा अमीर बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे पास रहने की जगह है, दोस्त हैं, खाने को है और थोड़ा-बहुत खर्च करने लायक पैसा भी। मेरी उम्र के ज्यादातर लोगों की तुलना में मैं भाग्यशाली हूं।

बचपन और पढ़ाई : इंटरव्यू में विवियन ने अपने

विशेषाधिकारों से भरे बचपन पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक ऐसे प्राइवेट हाई स्कूल में पढ़ाई की जहां अधिकतर नेपो बेबीज पढ़ते थे। उनकी क्लास में हॉलीवुड सितारों ग्वेनेथ पाल्ट्रो और क्रिस मार्टिन की बेटी एपल भी थीं।

विवियन ने यह भी बताया कि उन्हें बचपन से ही कई भाषाएं सिखाई गईं जिनमें कोरियन, चीनी, जापानी और स्पेनिश शामिल हैं। उन्होंने कनाडा और जापान दोनों जगह कॉलेज में पढ़ाई की, लेकिन पढ़ाई अधूरी छोड़ दी। उनका कहना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के चलते उनमें मोटिवेशन की कमी हो गई।

मॉडलिंग और नई पहचान : विवियन अब एक एजेंट से जुड़ चुकी हैं और हाल ही में टीन वोग के कवर पर नजर आईं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें फेमस होने की आदत नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने बहुत समय तक आम इंसान की तरह दिखने के लिए संघर्ष किया। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे सिर्फ स्पष्ट कारणों (एलन मस्क की बेटी) से न जानें।

उन्होंने यह भी कहा कि भले ही उन्हें शोहरत से ज्यादा लगाव नहीं है, लेकिन इसकी वजह से मिलने वाला पैसा उन्हें पसंद है। विवियन ने कहा, मुझे कभी-कभी अपनी पुरानी जिंदगी की सादगी याद आती है। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि फेमस होने से पैसे आते हैं, और यह मुझे अच्छा लगता है।

पिता से कटु संबंध : गौरतलब है कि विवियन, मस्क की 14 संतानों में सबसे बड़ी हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने कानूनी रूप से अपना नाम और जेंडर बदल लिया था और तब से उन्होंने अपने पिता से सारे संबंध तोड़ दिए हैं। उन्होंने कई बार सोशल मीडिया पर मस्क की आलोचना की है और एक बार तो उन्हें पैथेटिक मैन-चाइल्ड भी कहा था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आत्महत्या के पीछे का कारण जानने पुलिस की जांच

सूरत मां-बेटे सुसाइड केस में चिट्ठी FSL भेजी गई, बेटे की मल्टीपल इंजरी और मां की खून बहने से मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

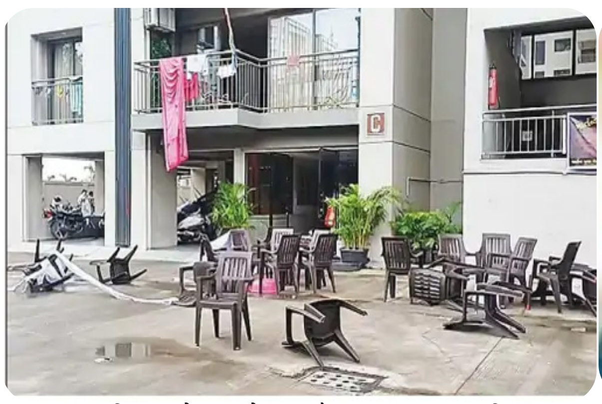

सूरत के अलथाण इलाके में मार्तंड हिल्स बिल्डिंग की विंग में रहने वाले लूम्स कारोबारी की पत्नी ने 3 सितंबर को दो साल के बेटे के साथ आत्महत्या कर ली थी। पटेल परिणीता, विंग से C विंग में गई थी, जहाँ उसने 13वीं मंज़िल से पहले बेटे को फेंका और 12 सेकंड बाद खुद भी कूद गई। मां ने बेटे के साथ आत्महत्या क्यों की, इसे लेकर रहस्य बना हुआ है। मृतका के कपड़ों से एक चिट्ठी मिली थी,

जो खून से सनी और फटने की हालत में थी। उस कागज़ को FSL (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आत्महत्या का कारण सामने आ सकता है।

ACP ज़ेड.आर. देसाई ने बताया कि सूरत शहर के अलथाण पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मार्तंड हिल्स में एक महिला ने 13वीं मंज़िल से पहले तीन वर्षीय बेटे कृष्णिव को फेंका और फिर खुद भी कूद गई। दोनों की मौत हो गई।

इसके आधार पर अलथाण पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत दर्ज की गई है और अगले दिन सुबह साइंटिफिक पैनल डॉक्टर से पोस्टमार्टम कराया गया।

कपड़ों से एक खून से लथपथ कागज़ मिला, जिसे FSL भेजा गया है।

पोस्टमार्टम और इनक्वेस्ट के दौरान यह कागज़ मिला था। इसमें क्या लिखा है, यह अभी कहना जल्दबाजी होगी। वह कागज़ एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट और पुलिस को सौंपा गया है और स्नस्रु भेजा गया है। न तो पीहर पक्ष से और न ही ससुराल पक्ष से कोई शिकायत दर्ज कराई गई है।

प्राथमिक जांच के दौरान पड़ोसियों और परिजनों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई बड़ा कारण सामने नहीं आया। केवल एक पेज का कागज़ मिला है। इसे आत्महत्या नोट कहना अभी जल्दबाजी होगी। जब तक FSL से डाटा रिकवर नहीं होता, इसे सुसाइड नोट कहना सही नहीं होगा।

अलथाण पुलिस ने CCTV और बयानों के आधार पर जांच शुरू की है। आत्महत्या होना तो साफ है लेकिन उसके पीछे का कारण जानने पुलिस जांच कर रही है। महिला का मोबाइल जब्त कर लिया गया है और उसी आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

कल (4 सितंबर) गुरुवार दोपहर बाद दोनों का पोस्टमार्टम कर शव परिवार को सौंप दिया गया और अंतिम संस्कार कर दिया गया। लेकिन अब भी यह रहस्य बना है कि मां ने बेटे के साथ आत्महत्या क्यों की। अलथाण पुलिस थाने के PI डी.डी. चौहान ने बताया कि पूजा के कपड़ों से खून लगी चिट्ठी मिली थी, लेकिन वह गीली जैसी थी और खुल नहीं पा रही थी।

इसलिए उसे FSL भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आत्महत्या का कारण सामने आ सकता है। आने वाले दिनों में परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे और मोबाइल की भी जांच की जाएगी।

200 ग्राम MD ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

पत्नी को बहन के घर छोड़ने जा रहा था तभी पुलिस ने दबोचा ड्रग्स की डिलीवरी करने से पहले पकड़ा गया

महाराष्ट्र से ट्रेन में सूरत आया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने महाराष्ट्र के जलगांव से ट्रेन के जरिए उमरवाड़ा चिमनी टेकरी सलीमनगर झुग्गी-पट्टी में MD ड्रग्स की डिलीवरी करने आए एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 19.87 लाख की कीमत के जलगांव निवासी एजाज़ शेख MD ड्रग्स लेकर सूरत के उमरवाड़ा चिमनी टेकरी सलीमनगर झुग्गी-पट्टी में किसी शख्स को डिलीवरी करने वाला है। इस सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने सलीमनगर झुग्गी-पट्टी के मकान नंबर-14 की पहली मंजिल पर छापा मारकर आरोपी ट्रक ड्राइवर एजाज़ उर्फ छोटया उस्मान शेख (निवासी—गांव पालघी साथघर मोहल्ला, (निवासी—मास्टर कॉलोनी, बॉम्बे बेकरी के पास, जलगांव, महाराष्ट्र) से लेकर आया था। वह अपनी पत्नी के साथ ट्रेन से जलगांव से सूरत पहुंचा था। आरोपी को सूरत के सरफराज को ड्रग्स की डिलीवरी करनी थी, लेकिन उससे पहले वह अपनी पत्नी को बहन के घर छोड़ने गया था।

तभी पुलिस ने उसे बहन के घर से ही दबोच लिया। एजाज़ शेख इससे पहले भी 4 महीने पहले

198.760 ग्राम MD ड्रग्स, मोबाइल फोन और 1520 नकद मिलाकर कुल 20.04 लाख का माल जब्त किया। जबकि ड्रग्स भेजने वाले और मंगवाने वाले को वॉन्टेड घोषित किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किए जाने पर 9 सितंबर तक का रिमांड मंजूर किया गया।

क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार, टीम को सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र के जिला जलगांव, महाराष्ट्र) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसके पास से 19,87,600 की कीमत के 198.760 ग्राम MD ड्रग्स, मोबाइल फोन, 1520 नकद और जलगांव-सूरत की रेलवे टिकट मिलाकर कुल 20,04,120 का माल जब्त किया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी एजाज़ यह ड्रग्स अपने रिश्तेदार भतीजे अबरार उर्फ हाजी उर्फ जिलानी मुख्तार शेख इसी तरह जलगांव से MD ड्रग्स लेकर सूरत आया था और यहां किसी को बेच चुका था। पुलिस ने ड्रग्स सप्लायर अबरार उर्फ हाजी उर्फ जिलानी मुख्तार शेख और ड्रग्स मंगवाने वाले सूरत निवासी सरफराज को वॉन्टेड घोषित किया है।

मामले की आगे की जांच क्राइम ब्रांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर 9 सितंबर तक का रिमांड मंजूर किया गया।

उकाई डैम के 12 दरवाजे खुलने से तापी नदी दोनों किनारों पर, निचले इलाकों में पानी भर गया नावड़ी ओवारा किनारे पानी-पानी

उकाई डैम में 1.63 लाख क्यूसेक पानी की आवक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। महज़ दो घंटे में ही दो इंच बारिश होने से निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। इसके साथ ही उकाई डैम के 12 दरवाजे खोलकर 1.63 लाख क्यूसेक पानी तापी नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी दोनों किनारों पर बह रही है। तापी नदी का जलस्तर कोज़वे पर 9.55 मीटर तक पहुँच गया है, जिसके चलते प्रशासन अलर्ट पर आ गया है। मौसम विभाग ने सूरत में आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सुबह से लगातार भारी बारिश हो रही है। पिछले दो घंटों में दो इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण वरा छा, कतारगाम, सिंगणपुर, मोरा भागल जैसे निचले इलाकों की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। वाहन चालकों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भारी बारिश के कारण नावड़ी ओवारा किनारे पानी भर गया है। इसके चलते वहाँ स्थित मंदिर भी पानी में डूब गया। ड्रोन वीडियो में यह साफ दिखाई दे रहा है कि नदी का जलस्तर किस हद तक बढ़ गया है।

ऊपरी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण कल से ही उकाई डैम में बड़ी मात्रा में पानी की आवक हो रही है। इसके चलते डैम प्रशासन ने 12 दरवाजे खोलकर डेढ़ लाख से अधिक क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्णय लिया। साथ ही तापी नदी किनारे बसे गाँवों को अलर्ट कर दिया गया है। फिलहाल डैम का जलस्तर 337.9 फुट तक पहुँच गया है, जो कि रूल लेवल से केवल 2 फुट कम है। इस समय भी डैम में 1.63 लाख क्यूसेक पानी की आवक हो रही है और उतना ही पानी नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे तापी नदी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

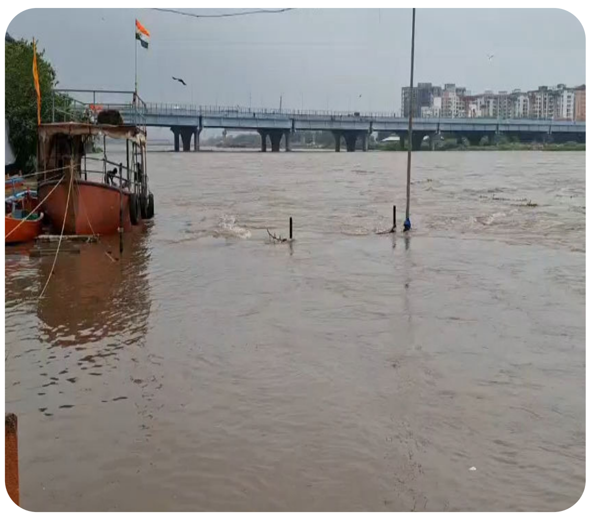

उकाई डैम से छोड़े गए पानी के कारण तापी नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। रांदेर और सिंगणपुर को जोड़ने वाले कोज़वे पर जलस्तर 9.55 मीटर तक पहुँच गया है। जबकि इसकी खतरनाक सीमा 6 मीटर है। यानी जलस्तर 3.5 मीटर से अधिक ऊपर चला गया है। इसके चलते कोज़वे पर तेज़ धारा बह रही है और उसे यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस बंदोबस्त भी कर दिया गया है।

तापी नदी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि उकाई डैम से पानी का बहाव जारी रहा और सूरत में भारी बारिश हुई तो तापी नदी शहर का पानी नहीं सम्हाल पाएगी और शहर में बड़े पैमाने पर जलभराव होगा। ऐसे हालात से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं और पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

सिविल अस्पताल के वार्ड-विभागों में इको-फ्रेंडली मूर्तियों की स्थापना

अंगदान महादान, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी वस्तुओं के अधिकतम उपयोग के संदेश के साथ विघ्नहर्ता की आराधना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नई सिविल अस्पताल में मरीजों की सेवा-श्रुषा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बने, मरीज जल्द स्वस्थ हों और दुख-दर्द दूर हो, ऐसी आस्था के साथ पिछले 35 वर्षों से नई सिविल के विभिन्न वार्ड और विभागों में विघ्नहर्ता की स्थापना की जाती है। इस वर्ष भी सिविल गणेशोत्सव के अंतर्गत श्रीजी की आरती में अंगदान महादान और वोकल फॉर लोकल के नारे के साथ स्वदेशी वस्तुओं के अधिकतम उपयोग को लेकर जनजागृति के प्लेकार्ड प्रदर्शित किए गए।

आरती में शामिल मेयर दक्षेशभाई ने कहा कि वार्ड में भर्ती मरीज जल्दी ठीक हों, महामारी न फैले और विघ्नहर्ता सभी के विघ्न, बीमारियां और समस्याएं दूर करें, ऐसी भावना से श्रीजी की पूजा-अर्चना की जाती है, जो प्रेरणादायी है। उन्होंने प्रार्थना की कि सिविल के स्वास्थ्य सैनिकों को गणेशजी मरीज नारायण की सेवा करने की ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें। हो, इस दिशा में सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। अंगदान अभियान जनआंदोलन बने और इसकी गतिविधियां जन-जन तक पहुंचे, इसी आशय के साथ नई सिविल द्वारा गणेश स्थापना और आराधना के दौरान अंगदान और स्वदेशी का संदेश दिया गया।

सिविल के ओपीडी और विभिन्न वार्डों में नर्सिंग स्टाफ, डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य और सफाई कर्मचारी सुबह-शाम आरती में शामिल होते हैं। श्रद्धा, राष्ट्रप्रेम और भारतीय संस्कृति

मेयर दक्षेशभाई मावाणी शामिल हुए। इसके अलावा भगवान सत्यनारायणजी की कथा का आयोजन कर सभी ने कथा श्रवण किया।

स्वास्थ्य तंत्र और मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ द्वारा आरती के समय अधिकतम अंगदान से अंगों की आवश्यकता रखने वाले लोगों को नया जीवन मिले, इस उद्देश्य से

इस अवसर पर गुजरात नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष इकबाल कड़ीवाला ने कहा कि अंगदान चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक दिलीपदादा देशमुख के नेतृत्व में राज्य में अंगदान गतिविधि को गति मिली है। ब्रेन-डेड मामलों में अधिकतम अंगदान के मूल्यों को निभाते हुए सिविल गणेशोत्सव में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई सभी धर्मों के लोग जुड़ते हैं और सर्व धर्म समभाव का संदेश भी देते हैं। नई सिविल में मिट्टी की इको-फ्रेंडली गणेशजी की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं और यहीं पर विसर्जित भी की जाती हैं, ऐसा कड़ीवाला ने जोड़ा।

गांजा कारोबार में दो गैंगों की दुश्मनी में हत्या

पांडेसरा में गांजा सप्लायरों ने पुरानी रंजिश में युवक की हत्या कर दी हत्यारों में से एक अभी हाल ही में पासा से जेल से छूटा था।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में पुरानी दुश्मनी और गांजा कारोबार की प्रतिस्पर्धा के कारण एक युवक की हत्या हुई है। वडोद गांव में रहने वाले संदीप उर्फ तिसरी राकेशसिंह राजपूत पर कुख्यात अपराधी अवधेश सहानी और उसके साथियों ने चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। अवधेश सहानी हाल ही में पासा के तहत जेल से बाहर आया था और उसे शक था कि संदीप के कारण ही उसे जेल जाना पड़ा था। इसी रंजिश में उसने संदीप की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने अवधेश और उसके साथियों को पकड़ने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, पांडेसरा GIDC के पास वडोद गांव की बस्ती में रहने वाला संदीप उर्फ तिसरी राकेशसिंह राजपूत (उम्र 32) दिहाड़ी मजदूरी करता था। शाम जब वह अपने घर के पास भोले टॉकीज से गुजर रहा था, तभी कुख्यात अवधेश सहानी (निवासी वडोद, पांडेसरा) अपने साथियों के साथ आया और संदीप पर हाथ, पेट और पीठ पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई।

हत्या की घटना की जानकारी मिलते ही पांडेसरा पुलिस मौके पर पहुंची और संदीप के शव को पोस्टमार्टम के लिए नई सिविल अस्पताल भेजा गया। आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक संदीप पहले भी लूट की कोशिश के मामले में पकड़ा जा चुका था।

NCDC की मंजूरी लेना जरूरी

ओलपाड कांठा शुगर के 49 करोड़ के कर्ज के खिलाफ NCDC ने संपत्तियों का सांकेतिक कब्जा लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com

ओलपाड की कांठा शुगर ने नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NCDC) से लिया गया 49.40 करोड़ का ऋण चुकाने में असफल रहने पर मंडली की 140 करोड़ की सरसगाम की जमीन और मकान सहित संपत्तियों का सांकेतिक कब्जा ले लिया गया है।

सरस की कांठा शुगर 100 करोड़ से अधिक के कर्ज में डूबी हुई है। इसमें 30 करोड़ की सरकारी सहायता, 40 करोड़ का शेयर पूंजी भुगतान और लगभग 10 करोड़ रुपए किसानों-खातेदारों को चुकाने का बकाया है। NCDC ने मिल को नोटिस जारी कर 49.40 करोड़ रुपए 60 दिनों में चुकाने का आदेश दिया था।

लेकिन मंडली असफल रही, जिसके चलते NCDC ने संपत्तियों का सांकेतिक कब्जा लेने का निर्णय लिया। इसके तहत सरस की ब्लॉक सर्वे नंबर 872, 876, 878, 879, 883 और 884-ए तथा 122-बी समेत कुल 1.31 लाख वर्ग मीटर जमीन, फैक्ट्री, प्लांट, मशीनरी सहित संपत्तियों पर सिक्योरिटी इंटरेस्ट एन्फोर्समेंट रूल्स 2002 के नियम 8 और अधिनियम के तहत सांकेतिक कब्जा लिया गया।